इनफ्लिबनेट न्यूज़लेटर

ISSN : 0971- 9849

खंड 32, अंक सं. 1 (जनवरी से मार्च 2025)

संपादक – मंडल

प्रो. देविका पी. माडल्ली
श्री पल्लब प्रधान
श्री मोहित कुमार
डॉ रोमा असनानी

IndCat
https://indcat.inflibnet.ac.in/

SOUL
https://soul.inflibnet.ac.in/

VIDWAN
https://vidwan.inflibnet.ac.in/

e-ShodhSindhu
https://ess.inflibnet.ac.in/

N-LIST (E-resources for College)
https://nlist.inflibnet.ac.in/

InfiStats: Usage Statistics Portal for e-Resource
https://infistat.inflibnet.ac.in/

Indian Research Information Network System
https://irins.org/irins/

e-PG Pathshala
https://epgp.inflibnet.ac.in/

Vidya-Mitra: Integrated e-content Portal
https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET's Institutional Repository
https://ir.inflibnet.ac.in/

Shodhganga
https://shodhganga.inflibnet.ac.in/

ICT Skill Development Programmes
https://hrd.inflibnet.ac.in/

INFED
https://parichay.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET Learning Management Service
https://www.inflibnet.ac.in/ilms/

क्र. सं.	विषय सूची	पृष्ठ संख्या
1.	**निदेशक की कलम से**	1-3
2.	**इनफ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशालाएँ / वेबिनार**	4-12
3.	**पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए)**	12-18
4.	**भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई.एन.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम**	18-18
5.	**शोध-चक्र : शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का प्रवेश द्वार विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम**	19-19
6.	**इनफ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (आई.एल.एम.एस.) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम**	19-20
7.	**उभयलिंगी / ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम**	20-21
8.	**इनफ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति**	21-28
9.	**इनफ्लिबनेट केंद्र के मोबाइल ऐप एवं व्हाट्सऐप सेवा का शुभारंभ**	28-29
10.	**ओपन सोल : अगली पीढ़ी की पुस्तकालय स्वचालन प्रणाली का पूर्वावलोकन संस्करण जारी**	29-31
11.	**14वें अंतरराष्ट्रीय कैलिबर 2025 की घोषणा**	32-33
12.	**राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आउटरीच**	33-34
13.	**अन्य प्रमुख कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ**	34-41
14.	**नई नियुक्तियाँ**	41-42
15.	**आगंतुक**	43-45
16.	**कर्मचारी समाचार**	46-50
17.	**उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया**	50-51
18.	**क्षेत्रीय समाचारों / सोशल मीडिया में इनफ्लिबनेट**	52

निदेशक की कलम से,

प्रिय पाठको ,

मुझे वर्ष 2025 के इनफ्लिबनेट समाचार-पत्र का प्रथम त्रैमासिक अंक प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। वर्ष 2025 के आरंभ के इस अवसर पर मुझे यह साझा करते हुए बेहद संतोष का अनुभव कर रही हूँ कि गत वर्ष इनफ्लिबनेट केंद्र ने सामूहिक प्रयासों से अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। अब समय है कि हम नई सोच, स्पष्ट लक्ष्य और सुविचारित योजनाओं के साथ वर्ष 2025 को और अधिक सफल एवं उपलब्धियों से परिपूर्ण बनाने की दिशा में अग्रसर हों। केंद्र की पूरी सदस्य (टीम) इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु पूर्ण उत्साह, समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए तत्पर है।

केंद्र को अपने बहुप्रतीक्षित द्विवार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 14वें अंतरराष्ट्रीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों में पुस्तकालय स्वचालन सम्मेलन (कैलिबर 2025), की घोषणा करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है। यह सम्मेलन 17 से 19 नवम्बर 2025 तक श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश में आयोजित की जाएगी। जिसका संयुक्त आयोजन इनफ्लिबनेट केंद्र एवं श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन की मुख्य विषय-वस्तु "पुस्तकालय 2047 : "विकसित भारत की दिशा में ज्ञान का लोकतंत्रीकरण" निर्धारित की गई है।

प्रतिवेदित तिमाही के दौरान केंद्र ने 27 फरवरी 2025 को अपने स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित वार्षिक 'ओपन डे' कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस अवसर पर पुस्तकालय एवं सूचना सेवाओं, डिजिटल अवसंरचना तथा शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहायता सेवाओं के क्षेत्र में केंद्र की उपलब्धियों, पहलों और योगदानों का प्रदर्शन किया गया, जो देश के उच्च शिक्षा क्षेत्र को सुदृढ़ीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी अवसर पर केंद्र द्वारा अपने मोबाइल ऐप तथा व्हाट्सऐप सेवाओँ का औपचारिक रूप से लोकार्पण भी किया गया । इन सेवाओं का उद्देश्य केंद्र द्वारा प्रदान की जा रही विविध शैक्षणिक एवं अनुसंधान सेवाओं तक उपयोगकर्ताओं की पहुँच को और अधिक सुगम बनाना, संवाद को सुदृढ़ करना तथा उनकी सहभागिता को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में देशभर से 300 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

केंद्र ने 20 फरवरी 2025 को गोवा सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय तथा 21 मार्च 2025 को गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जी.टी.यू.), गांधीनगर के साथ समझौता ज्ञापनों (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर

किए। इन समझौता ज्ञापनों का उद्देश्य गोवा के उच्च शिक्षा निदेशालय के अधीन महाविद्यालयों सहित उसके हितधारकों तथा गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हितधारकों के लिए इनफ्लिबनेट की सेवाओं के प्रभावी एवं निर्बाध क्रियान्वयन तथा उनके व्यापक उपयोग को सुनिश्चित करना है।

प्रतिवेदित अवधि तक केंद्र द्वारा संस्थानों के लिए कुल 1,521 आई.आर.आई.एन.एस. इंस्टेंस स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें से 100 इंस्टेंस प्रतिवेदित अवधि के दौरान स्थापित किए गए। इसी प्रकार, शोध-चक्र के उपयोग हेतु प्रतिवेदित अवधि तक कुल 159 विश्वविद्यालयों ने इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ समझौता ज्ञापनों (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से 14 समझौता ज्ञापन प्रतिवेदित अवधि के दौरान संपादित किए गए। शोधगंगा रिपॉजिटरी में उपलब्ध पूर्ण-पाठ शोध-प्रबंधों की संख्या बढ़कर 5,96,034 से अधिक हो गई है, जिनमें से 19,303 शोध-प्रबंध प्रतिवेदित अवधि के दौरान अपलोड किए गए। शोधगंगा परियोजना के अंतर्गत अब तक 958 संस्थानों (848 विश्वविद्यालय एवं 110 केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थान/राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान) ने इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से 15 समझौता ज्ञापन प्रतिवेदित अवधि के दौरान संपादित किए गए। इसके अतिरिक्त, नवगठित शोधगंगा राष्ट्रीय संचालन समिति (SNSC) की अनुशंसाओं के अनुरूप केंद्र, शोधगंगा के उन्नयन तथा इसे नवीनतम सॉफ्टवेयर संस्करण पर स्थानांतरित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। साथ ही, जनवरी 2025 से शोधगंगा में शोध-प्रबंध के अध्यायों/फाइलों के साथ ORCID तथा साहित्यिक चोरी (Plagiarism) जाँच रिपोर्ट संलग्न करना अनिवार्य कर दिया गया है। पी.डी.एस. : शोधशुद्धि के अंतर्गत 31 मार्च 2025 तक देशभर के 1,150 (864 सक्रिय) विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से स्थापना काल से अब तक कुल 51,64,480 दस्तावेज समानता एवं साहित्यिक चोरी की जाँच हेतु प्रस्तुत किए जा चुके हैं। आई.एस.बी.एन. पोर्टल के माध्यम से प्रतिवेदित अवधि के दौरान कुल 4,135 हितधारकों ने पंजीकरण कराया तथा आई.एस.बी.एन. आवंटन हेतु 11,236 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवधि में हितधारकों एवं प्रकाशकों को कुल 1,54,870 आई.एस.बी.एन. आवंटित किए गए।

मानव संसाधन विकास (एच.आर.डी.) पहलों के अंतर्गत इनफ्लिबनेट केंद्र देशभर के विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागियों के क्षमता संवर्धन हेतु नियमित रूप से ऑनलाइन एवं ऑफलाइन विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा कार्यशालाओं का आयोजन करता है। प्रतिवेदित तिमाही के दौरान केंद्र द्वारा "सोल 3.0 : संस्थापन एवं संचालन" विषय पर दो पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (172वाँ एवं 173वाँ ऑफलाइन) क्रमशः 20–24 जनवरी 2025 तथा 03–07 मार्च 2025 को आयोजित किए गए।

इसके अतिरिक्त, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में दो विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें 03–05 फरवरी 2025 के दौरान "अनुसंधान में नैतिक मुद्दे एवं साहित्यिक चोरी पहचान प्रणाली के

उपयोग" विषय पर तीन-दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा 19–21 मार्च 2025 के दौरान रिसर्च इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम पर तीन-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रतिवेदित अवधि के दौरान केंद्र ने पुस्तकालय स्वचालन पर तीन इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (IRTPLA-2025) आयोजित किए। इन कार्यक्रमों का संयुक्त आयोजन क्रमशः 13–17 जनवरी 2025 के दौरान भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला, 03–07 फरवरी 2025 के दौरान डॉ. एस. आर. रंगनाथन पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी तथा 24–28 मार्च 2025 के दौरान डॉ. वी. एस. कृष्णा गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज (स्वायत्त), विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश के सहयोग से किया गया।

इसके अतिरिक्त, केंद्र ने प्रतिवेदित अवधि के दौरान शोध-चक्र पर छह संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम, आई.एल.एम.एस. पर तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (NISD) के माध्यम से ट्रांसजेंडर व्यक्तियों हेतु राष्ट्रीय पोर्टल पर जिलाधिकारियों/कलेक्टरों एवं संबंधित अधिकारियों के लिए 24 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। साथ ही, 21 मार्च 2025 को केंद्रीय तमिलनाडु विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के सहयोग से आई.आर.आई.एन.एस. पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।
केंद्र ने 10 मार्च 2025 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शेरनी पोर्टल पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कर इस दिवस का उत्सव मनाया। इसके उपरांत 18 मार्च 2025 को केंद्र के सभागार में कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) विषय पर एक संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. प्राची मोटियानी, सदस्य सचिव, महिला विकास प्रकोष्ठ एवं आंतरिक शिकायत समिति तथा विभागाध्यक्ष, विधि संकाय, गुजरात विश्वविद्यालय ने "जेंडर सेंसिटाइजेशन : ट्रांसफॉर्मिंग पर्सपेक्टिव्स, क्रिएटिंग चेंज" विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में केंद्र के 120 कर्मचारियों ने सहभागिता की। प्रतिवेदित अवधि के दौरान केंद्र ने 16 से 23 जनवरी 2025 तक अपने कर्मचारियों के लिए खेल सप्ताह आयोजित किया। इसके अतिरिक्त 26 जनवरी 2025 को 76वाँ गणतंत्र दिवस तथा 02 फरवरी 2025 को बसंत पंचमी का उत्सव भी केंद्र परिसर में उत्साहपूर्वक मनाया गया।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इनफ्लिबनेट समाचार-पत्र का यह अंक पाठकों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध होगा। आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ। धन्यवाद !

प्रो. देविका पी. माडल्ली
निदेशक, इनफ्लिबनेट केंद्र

इनफ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएँ/वेबिनार

एसओयूएल 3.0: इंस्टॉलेशन एवं संचालन पर 172वाँ पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, 20–24 जनवरी 2025

"सोल 3.0: इंस्टॉलेशन एवं संचालन" विषय पर 172वें पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 20 से 24 जनवरी, 2025 तक इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक-एफ (कंप्यूटर विज्ञान) श्री मनोज कुमार के. द्वारा किया गया। कार्यक्रम के तकनीकी समन्वयक एवं वैज्ञानिक-ई (कंप्यूटर विज्ञान) श्री यात्रिक पटेल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान) ने पाठ्यक्रम समन्वयक तथा श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (कंप्यूटर विज्ञान) ने संयुक्त समन्वयक के रूप में कार्यक्रम का संचालन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों के शैक्षिक एवं सांस्कृतिक अनुभव को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से गांधीनगर एवं अहमदाबाद का एक स्थानीय शैक्षणिक भ्रमण का भी आयोजिन किया गया।

इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित सोल 3.0: इंस्टॉलेशन एवं संचालन पर 172वें पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी।

इनफ्लिबनेट केंद्र के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण निम्नानुसार है :

मॉड्यूल	विषय विशेषज्ञ
न्फ्लिबनेट की गतिविधियाँ एवं सेवाएँ	डॉ. एच. जी. होसमानी, पूर्व वैज्ञानिक-ई (पुस्तकालय विज्ञान)
प्रशासन मॉड्यूल	श्री विजय श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (कंप्यूटर विज्ञान)

सूचीकरण (कैटलॉग) मॉड्यूल	सुश्री रोशनी यादव, एसटीओ-I (पुस्तकालय विज्ञान)
परिसंचरण मॉड्यूल	श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान)
अधिग्रहण मॉड्यूल	डॉ. एच. जी. होसमानी, पूर्व वैज्ञानिक-ई (पुस्तकालय विज्ञान)
पत्रिका नियंत्रण मॉड्यूल	श्रीमती आरती सावले, एसटीओ-I (पुस्तकालय विज्ञान)
सोल 3.0 स्थापना (इंस्टॉलेशन)	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (कंप्यूटर विज्ञान)
सोल 3.0 वेब ओपैक एवं बैकअप	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (कंप्यूटर विज्ञान)
व्यावहारिक अभ्यास	श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान) श्री विराज पारेख, पुस्तकालय अधिकारी (पुस्तकालय विज्ञान) श्री राजन पाण्डेय, पुस्तकालय सहायक (पुस्तकालय विज्ञान) सुश्री रोज़ मेरी, पुस्तकालय सहायक (पुस्तकालय विज्ञान) सुश्री शिजिना, पुस्तकालय सहायक (पुस्तकालय विज्ञान) सुश्री हर्षा पारेख, पुस्तकालय सहायक (पुस्तकालय विज्ञान) श्री सतीश कुमार, पुस्तकालय सहायक (पुस्तकालय विज्ञान)

समापन सत्र में इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक-एफ (कंप्यूटर विज्ञान) श्री अशोक कुमार राय ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इसके बाद पुस्तकालय विज्ञान के पूर्व वैज्ञानिक-ई (पुस्तकालय विज्ञान) डॉ. एच. जी. होसमानी ने अपने बहुमूल्य अनुभव साझा करते हुए कार्यक्रम के संबंध में प्रेरणादायी समापन उद्बोधन दिया। अंत में वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान) सुश्री अमृता देवी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसके साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में अनुसंधान में नैतिक मुद्दों तथा साहित्यिक चोरी (प्लेज़रिज़्म) की पहचान हेतु सॉफ़्टवेयर के उपयोग पर तीन-दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम, 03–05 फ़रवरी 2025

अनुसंधान में नैतिक मुद्दों एवं साहित्यिक चोरी (प्लेज़रिज़्म) की पहचान के उपयोग पर तीन-दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 3 से 5 फ़रवरी, 2025 तक इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन इनफ्लिबनेट केंद्र की माननीय निदेशक प्रो. देविका पी. माडल्ली द्वारा किया गया। इस अवसर पर देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से शोधगंगा एवं शोधशुद्धि के

विश्वविद्यालय समन्वयक, शोधार्थी, प्राध्यापक तथा पुस्तकालय पेशेवर उपस्थित रहे। अपने उद्घाटन संबोधन में प्रो. माडल्ली ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक सत्यनिष्ठा (Academic Integrity) को बढ़ावा देना तथा शोधकर्ताओं को नैतिक अनुसंधान पद्धतियों के लिए आवश्यक ज्ञान एवं कौशल से सुसज्जित करना है। उन्होंने विश्वविद्यालयों से 'इनफ्लिबनेट रिसर्च कॉर्नर' की स्थापना करने का भी आह्वान किया, ताकि शैक्षणिक एवं अनुसंधान समुदाय को इनफ्लिबनेट की महत्त्वपूर्ण अनुसंधान सेवाओं तक अधिक प्रभावी एवं सुगम पहुँच उपलब्ध कराई जा सके।

इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित अनुसंधान में नैतिक मुद्दों एवं साहित्यिक चोरी (प्लेज़रिज़्म) की पहचान के प्रयोग पर तीन-दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी।

इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक-एफ (कंप्यूटर विज्ञान) तथा परियोजना प्रभारी श्री मनोज कुमार के. ने कार्यक्रम का समन्वयन करते हुए स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की तथा यूजीसी की नीतियों एवं दिशानिर्देशों का परिचय देते हुए शैक्षणिक समुदाय में साहित्यिक चोरी (प्लेज़रिज़्म) से संबंधित समस्याओं के समाधान में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. सुरभि ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया तथा इस बात पर विशेष बल दिया कि प्रशिक्षण का यह सत्र अधिक व्यावहारिक (प्रायोगिक) होगा। उद्घाटन सत्र के अंत में श्री राजन कुमार ने सभी गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इनफ्लिबनेट केंद्र के संकाय सदस्यों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण निम्नानुसार है :

विषय	विषय विशेषज्ञ
इनफ्लिबनेट की गतिविधियों का परिचय	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (कंप्यूटर विज्ञान)
अनुसंधान नैतिकता/शैक्षणिक सत्यनिष्ठा एवं साहित्यिक चोरी (प्लेज़रिज़्म) से संबंधित मुद्दे : यूजीसी की नीतियाँ एवं दिशानिर्देश	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (कंप्यूटर विज्ञान)
ड्रिलबिट एक्सट्रीम साहित्यिक चोरी (प्लेज़रिज़्म) पहचान सॉफ्टवेयर का प्रदर्शन	श्री जयन्ना बेलावडी (ड्रिलबिट एक्सट्रीम)
अनुसंधान निष्पादन का मूल्यांकन एवं आकलन : बिब्लियोमेट्रिक संकेतक	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (पुस्तकालय विज्ञान)
शोधगंगा एवं शोधशुद्धि का परिचय	डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक-सी (पुस्तकालय विज्ञान)
संदर्भ प्रबंधन उपकरणों (मेंडली, ज़ोटेरो आदि) का उपयोग एवं शोध प्रतिवेदन लेखन	डॉ. मितेशकुमार पंड्या, उप पुस्तकालयाध्यक्ष (एन.एफ.एस.यू.)
इंफेड का परिचय एवं उपयोग विश्लेषण	श्री राजा वी., वैज्ञानिक-सी (कंप्यूटर विज्ञान)
आई.आर.आई.एन.एस (IRINS): भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली और ऑरकिड (ORCID) का अवलोकन	डॉ. कन्नन पी., वैज्ञानिक-ई (पुस्तकालय विज्ञान)
R एवं Jamovi के माध्यम से अनुसंधान तथा समंक (डेटा) विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय पद्धतियाँ	श्री हितेश सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (कंप्यूटर विज्ञान)
शोधचक्र का परिचय : शोध संसाधनों हेतु शोधकर्ताओं का प्रवेश द्वार	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (कंप्यूटर विज्ञान)
शोध प्रबंध अपलोड करने का प्रदर्शन तथा शोधगंगोत्री एवं सिनॉप्सिस अपलोडिंग का परिचय	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (पुस्तकालय विज्ञान)
पीडीएस /शोधगंगा पर प्रायोगिक अभ्यास	टीम पीडीएस/शोधगंगा

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत के नौ राज्यों से कुल 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर व्याख्यानों पर आधारित 15 प्रश्नों की एक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में सोल 3.0: इंस्टॉलेशन एवं संचालन पर 173वाँ पाँच-दिवसीय ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, 03–07 मार्च 2025

सोल 3.0: इंस्टॉलेशन एवं संचालन" विषय पर 173वें पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 3 से 7 मार्च, 2025 तक इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. माडल्ली द्वारा किया गया।वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान) सुश्री अमृता देवी ने गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया। कार्यक्रम के तकनीकी समन्वयक एवं वैज्ञानिक-ई (कंप्यूटर विज्ञान) श्री यात्रिक पटेल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान) श्रीमती हेमा चोलिन ने पाठ्यक्रम समन्वयक तथा एसटीओ-I (पुस्तकालय विज्ञान) सुश्री रोशनी यादव ने संयुक्त समन्वयक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित "सोल 3.0: इंस्टॉलेशन एवं संचालन" पर 173वें पाँच-दिवसीय ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी।

इनफ्लिबनेट केंद्र के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण निम्नानुसार है :

मॉड्यूल	विषय विशेषज्ञ
न्फ्लिबनेट की गतिविधियाँ एवं सेवाएँ	डॉ. एच. जी. होसमानी, पूर्व वैज्ञानिक-ई (पुस्तकालय विज्ञान)
प्रशासन मॉड्यूल	श्री विजय श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (कंप्यूटर विज्ञान)
सूचीकरण (कैटलॉग) मॉड्यूल	सुश्री रोशनी यादव, एसटीओ-I (पुस्तकालय विज्ञान)
परिसंचरण मॉड्यूल	श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान)
अधिग्रहण मॉड्यूल	डॉ. एच. जी. होसमानी, पूर्व वैज्ञानिक-ई (पुस्तकालय विज्ञान)
पत्रिका नियंत्रण मॉड्यूल	श्रीमती आरती सावले, एसटीओ-I (पुस्तकालय विज्ञान)
सोल 3.0 स्थापना (इंस्टॉलेशन)	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (कंप्यूटर विज्ञान)
सोल 3.0 वेब ओपैक एवं बैकअप	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (कंप्यूटर विज्ञान)
व्यावहारिक अभ्यास	श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान) श्री विराज पारेख, पुस्तकालय अधिकारी (पुस्तकालय विज्ञान) श्री राजन पाण्डेय, पुस्तकालय सहायक (पुस्तकालय विज्ञान) सुश्री रोज़ मेरी, पुस्तकालय सहायक (पुस्तकालय विज्ञान) सुश्री शिजिना, पुस्तकालय सहायक (पुस्तकालय विज्ञान) सुश्री हर्षा पारेख, पुस्तकालय सहायक (पुस्तकालय विज्ञान) श्री सतीश कुमार, पुस्तकालय सहायक (पुस्तकालय विज्ञान)

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों के शैक्षिक एवं सांस्कृतिक अनुभव को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से गांधीनगर एवं अहमदाबाद का स्थानीय शैक्षणिक भ्रमण भी आयोजित किया गया।समापन सत्र में इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक-एफ (कंप्यूटर विज्ञान) श्री मनोज कुमार के. ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए । पूर्व वैज्ञानिक-ई (पुस्तकालय विज्ञान) डॉ. एच. जी. होसमानी ने अपने बहुमूल्य अनुभव साझा करते हुए कार्यक्रम के संबंध में प्रेरणादायी समापन उद्बोधन दिया। अंत में वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान) सुश्री अमृता देवी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसके साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली (RIMS) पर तीन-दिवसीय कार्यशाला, 19–21 मार्च 2025

अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली (RIMS) पर तीन-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 19 से 21 मार्च, 2025 तक इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन इनफ्लिबनेट केंद्र की

माननीय निदेशक प्रो. देविका पी. माडल्ली द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को समकालीन अनुसंधान पद्धतियों को प्रभावी ढंग से अपनाने हेतु आवश्यक ज्ञान एवं कौशल से सुसज्जित करना है। उन्होंने महिला शोधकर्ताओं के अनुसंधान योगदान को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए उन्हें "शेरनी (SheRNI) पोर्टल" पर पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। साथ ही, उन्होंने विश्वविद्यालयों से शैक्षणिक एवं अनुसंधान समुदाय को इनफ्लिबनेट की महत्त्वपूर्ण अनुसंधान सेवाओं तक बेहतर पहुँच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'इनफ्लिबनेट कॉर्नर' एवं 'रिसर्च कॉर्नर' स्थापित करने का आग्रह किया। वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान) सुश्री अमृता देवी ने गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया। वैज्ञानिक-ई (पुस्तकालय विज्ञान) डॉ. कन्नन पी. तथा वैज्ञानिक-सी (पुस्तकालय विज्ञान) श्री पल्लब प्रधान ने कार्यशाला के समन्वयक के रूप में दायित्वों का निर्वहन किया। डॉ. कन्नन पी. ने प्रतिभागियों को कार्यशाला की रूपरेखा एवं उद्देश्यों से अवगत कराया। उद्घाटन सत्र के अंत में वैज्ञानिक-सी (पुस्तकालय विज्ञान) श्री पल्लब प्रधान ने सभी गणमान्य अतिथियों एवं आमंत्रित प्रतिभागियों के प्रति औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली (RIMS) पर तीन-दिवसीय कार्यशाला के प्रतिभागी।

कार्यक्रम के दौरान इनफ्लिबनेट केंद्र के संकाय सदस्यों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण निम्नानुसार है :

विषय	विषय विशेषज्ञ
इनफ्लिबनेट की गतिविधियाँ एवं सेवाएँ	श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक-ई (कंप्यूटर विज्ञान)

अकादमिक पहचान का परिचय : ऑरकिड (ORCID)	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (कंप्यूटर विज्ञान)
अनुसंधान मापदंड (Research Metrics)	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (पुस्तकालय विज्ञान)
अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली (RIMS) का परिचय	डॉ. कन्नन पी., वैज्ञानिक-ई (पुस्तकालय विज्ञान)
ओपन साइंस : अवधारणा एवं परिप्रेक्ष्य	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (पुस्तकालय विज्ञान)
आई.आर.आई.एन.एस. (IRINS) एवं शेरनी (SheRNI) का परिचय	डॉ. कन्नन पी., वैज्ञानिक-ई (पुस्तकालय विज्ञान)
ऑल्टमेट्रिक्स (Altmetrics) का परिचय	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (पुस्तकालय विज्ञान)
आई.आर.आई.एन.एस. (IRINS) विश्लेषिकी एवं नोडल अधिकारी डैशबोर्ड	डॉ. कन्नन पी., वैज्ञानिक-ई (पुस्तकालय विज्ञान)
सी.आर.आई.एस / आई.आर.आई.एन.एस. मानक, मेटाडेटा एवं डेटा स्रोत	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (पुस्तकालय विज्ञान)
डेटा क्यूरेशन एवं प्रोफ़ाइल निर्माण	सुश्री सविता देवी, एसटीए (पुस्तकालय विज्ञान) एवं प्रायोगिक टीम
डेटा क्यूरेशन एवं प्रोफ़ाइल निर्माण – व्यावहारिक अभ्यास	सुश्री सविता देवी, एसटीए (पुस्तकालय विज्ञान) एवं प्रायोगिक टीम
शोधचक्र – शोधकर्ताओं की प्रोफ़ाइल एवं संसाधन प्रबंधन प्रणाली	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (कंप्यूटर विज्ञान)
अनुसंधान विश्लेषिकी डैशबोर्ड	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (पुस्तकालय विज्ञान)
अनुसंधान डेटा प्रबंधन	श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (पुस्तकालय विज्ञान)

इस कार्यशाला में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से विश्वविद्यालय नोडल अधिकारी, प्राध्यापक, कुलसचिव, शोधार्थी तथा पुस्तकालय पेशेवर सहित कुल 34 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के तीनों दिनों में आयोजित व्याख्यानों पर आधारित 12 प्रश्नों की एक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई।

समापन समारोह में वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान) सुश्री अमृता देवी ने गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा समारोह का समन्वयन किया। इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक-एफ (कंप्यूटर विज्ञान) श्री मनोज कुमार के. ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए सभी प्रतिभागियों को

सहभागिता प्रमाण-पत्र वितरित किए।इस अवसर पर कुछ प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किए तथा कार्यशाला के सभी सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक सत्रों की सराहना की। यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए समकालीन अनुसंधान पद्धतियों तथा डिजिटल उपकरणों की समझ को समृद्ध करने का एक प्रभावी एवं उपयोगी मंच सिद्ध हुई।अंत में पूर्व वैज्ञानिक-ई (पुस्तकालय विज्ञान) डॉ. एच. जी. होसमानी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसके साथ कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए.)

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए.), 13–17 जनवरी 2025

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान (IIAS), शिमला के पुस्तकालय द्वारा इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर (गुजरात) के सहयोग से 13 से 17 जनवरी, 2025 तक पुस्तकालय स्वचालन पर पाँच-दिवसीय इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए) का आयोजन किया गया।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए हिमाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों के पुस्तकालय पेशेवरों से अत्यधिक उत्साहजनक प्रतिसाद प्राप्त हुआ। तथापि, सीमित सीटों एवं कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने ऐसे पुस्तकालय पेशेवरों का चयन किया, जो अपने-अपने महाविद्यालयों में सोल को लागू करने के प्रति विशेष रूप से इच्छुक थे। इस प्रकार, प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 44 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के पुस्तकालयाध्यक्ष श्री प्रेम चंद ने कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने सोल 3.0 की विभिन्न विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सोल 3.0 (सॉफ्टवेयर फॉर यूनिवर्सिटी लाइब्रेरीज़) इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित अत्याधुनिक समेकित पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में शैक्षणिक पुस्तकालयों के स्वचालन को बढ़ावा देने में इनफ्लिबनेट केंद्र ने अग्रणी भूमिका निभाई है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए केंद्र ने पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर के विकास तथा मानव संसाधन के प्रशिक्षण सहित पुस्तकालयों के स्वचालन हेतु अनेक पहलें की हैं। अंत में उन्होंने इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. माडल्ली के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक-ई (कंप्यूटर विज्ञान) श्री यात्रीक पटेल ने उद्घाटन संबोधन दिया। उन्होंने पुस्तकालयों में पुस्तकालय स्वचालन तथा सोल सॉफ्टवेयर के महत्व पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में

उन्होंने बताया कि इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रम पुस्तकालय समुदाय के हित एवं सशक्तीकरण के उद्देश्य से प्रारंभ किए गए हैं। इनफ्लिबनेट केंद्र के परामर्शदाता डॉ. एच. जी. होसमानी ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों से सोल सॉफ्टवेयर के माध्यम से अपने पुस्तकालयों का स्वचालन करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि सोल एक उपयोगकर्ता-अनुकूल, किफायती एवं प्रभावी पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर है, जो सभी अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन करता है।

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान (आई.आई.ए.एस.), शिमला के सचिव श्री मेहर चंद नेगी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन हेतु वित्तीय सहयोग प्रदान करने के लिए इनफ्लिबनेट केंद्र के प्रति आभार व्यक्त किया।

उद्घाटन सत्र के उपरांत तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। प्रथम दिवस पर आमंत्रित विशेषज्ञों द्वारा सोल 3.0 के महत्वपूर्ण एवं नवीन मॉड्यूलों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। इनफ्लिबनेट केंद्र के श्री यात्रीक पटेल एवं डॉ. एच. जी. होसमानी ने सोल 3.0 का परिचय तथा कैटलॉग मॉड्यूल पर व्याख्यान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। अपने व्याख्यानों में उन्होंने पुस्तकालयाध्यक्षों को परिवर्तनकारी पहल करने तथा उपयोगकर्ताओं को मूल्यवर्धित सेवाएँ उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम के तृतीय दिवस श्री यात्रीक पटेल ने सोल सॉफ्टवेयर की स्थापना (इंस्टॉलेशन) का प्रदर्शन किया तथा सोल के सभी मॉड्यूलों पर विस्तृत व्याख्यान दिए। इस दौरान सोल के इंस्टॉलेशन का सजीव प्रदर्शन भी किया गया, जिससे प्रतिभागियों में सॉफ्टवेयर के उपयोग एवं प्रबंधन के प्रति आत्मविश्वास विकसित हुआ।

कार्यक्रम के तृतीय दिवस सोल 3.0 के अधिग्रहण (Acquisition) मॉड्यूल तथा परिसंचरण (Circulation) मॉड्यूल पर गहन प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें व्याख्यानों के साथ-साथ व्यावहारिक सत्र भी शामिल थे। चतुर्थ दिवस डॉ. एच. जी. होसमानी तथा वैज्ञानिक-बी (कंप्यूटर विज्ञान) श्री श्रीमाली विजयकुमार एम. ने सोल 3.0 के वेब ओपैक एवं बैकअप/रिस्टोर मॉड्यूल, सोल 3.0 की स्थापना (इंस्टॉलेशन) का प्रदर्शन, तथा सीरियल (Serial) मॉड्यूल पर व्याख्यान एवं प्रदर्शन प्रस्तुत किए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र के अवसर पर हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के पूर्व प्रोफेसर प्रो. पी. के. आहलूवालिया का एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। उन्होंने "21वीं सदी में पुस्तकालयों की नई भूमिका : नई प्रौद्योगिकी का उद्भव" विषय पर व्याख्यान दिया।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. ए. एस. चंदेल, प्रोफेसर एमेरिटस थे। अपने संबोधन में उन्होंने पुस्तकालय संसाधनों के स्वचालन एवं डिजिटलीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने हिमाचल

प्रदेश में पुस्तकालय स्वचालन की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालते हुए सभी प्रतिभागियों को अपने-अपने पुस्तकालयों के स्वचालन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान (आई.आई.ए.एस.), शिमला में आयोजित पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए.) के प्रतिभागी

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी के डॉ. एस. आर. रंगनाथन पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान में आयोजित पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए.) 03–07 फ़रवरी, 2025

पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए.) का आयोजन डॉ. एस. आर. रंगनाथन पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी द्वारा इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर के सहयोग से 03 से 07 फ़रवरी, 2025 तक बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी में किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन प्रो. आर. के. सैनी (विज्ञान संकायाध्यक्ष), प्रो. मुन्ना तिवारी (कला संकायाध्यक्ष), डॉ. जे. श्री देवी, प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष, केंद्रीय पुस्तकालय, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, श्रीमती हेमा वी. चोलिन, वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान), इनफ्लिबनेट केंद्र, तथा डॉ. ऋतु सिंह, विभागाध्यक्ष, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। डॉ. ज्योति गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, डॉ. एस. आर. रंगनाथन पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान, ने प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया तथा राजकीय महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में पुस्तकालय स्वचालन के महत्व एवं इसकी बढ़ती आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

डॉ. एस. आर. रंगनाथन पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी में आयोजित पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए.) के प्रतिभागी

अपने संबोधन में इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर की वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान) श्रीमती हेमा वी. चोलिन ने प्रतिभागियों एवं अतिथियों को केंद्र की विभिन्न पहलों एवं सेवाओं से अवगत कराया। उन्होंने पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए.) का विस्तृत परिचय देते हुए सूचना विज्ञान के संवर्धन, डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं, पुस्तकालय नेटवर्किंग तथा सोल जैसे पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर के विकास एवं प्रसार में इनफ्लिबनेट केंद्र के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने शैक्षिक संसाधनों के प्रभावी प्रसार तथा विभिन्न संस्थानों के मध्य पुस्तकालयीय सहयोग को सुदृढ़ बनाने में पुस्तकालय स्वचालन एवं डिजिटलीकरण की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर विशेष बल दिया ।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ऋतु सिंह ने अपने संबोधन में पुस्तकालय स्वचालन के प्रभाव तथा सोल 3.0 जैसे स्वचालन सॉफ्टवेयर के माध्यम से पुस्तकालयीय कार्यों को अधिक सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को पुस्तकालय सेवाओं के आधुनिकीकरण हेतु उभरती हुई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया ।

डॉ. एस. आर. रंगनाथन पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान के सहायक प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमार ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन में इनफ्लिबनेट

केंद्र द्वारा प्रदान किए गए सहयोग तथा आयोजन समिति के सदस्यों के समर्पित प्रयासों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया ।

प्रशिक्षण सत्रों का संचालन इनफ्लिबनेट केंद्र की वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान) श्रीमती हेमा वी. चोलिन तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारी (पुस्तकालय विज्ञान) सुश्री रोशनी यादव द्वारा किया गया, जिन्होंने कार्यक्रम में मुख्य विषय विशेषज्ञ व्यक्तियों के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। इन सत्रों में सोल 3.0 के प्रशासन (Administration), अधिग्रहण (Acquisition), परिसंचरण (Circulation), कैटलॉगिंग (Cataloguing) तथा सीरियल नियंत्रण (Serial Control) मॉड्यूलों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में सैद्धांतिक व्याख्यानों के साथ-साथ व्यावहारिक अभ्यास भी शामिल थे, जिससे प्रतिभागियों की विषय संबंधी समझ और व्यावहारिक दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई ।

कार्यक्रम को और अधिक समृद्ध बनाने के उद्देश्य से विशेषज्ञ व्याख्यानों का भी आयोजन किया गया। डॉ. एस. आर. रंगनाथन पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान की विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ऋतु सिंह, सहायक प्रोफेसर डॉ. ज्योति गुप्ता, डॉ. रूपेन्द्र सिंह, डॉ. निधि श्रीवास्तव तथा डॉ. विनोद कुमार ने वेब डिज़ाइनिंग, डिजिटल संग्रह प्रबंधन, मेटाडाटा तथा डिजिटलीकरण की आवश्यकताओं जैसे विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए ।

कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने सोल 3.0 की विभिन्न विशेषताओं तथा पुस्तकालयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की भूमिका पर विचार-विमर्श किया। समापन सत्र के दौरान 47 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम में उनकी सक्रिय सहभागिता एवं व्यावसायिक दक्षता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के सम्मानस्वरूप प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए ।

डॉ. वी.एस. कृष्णा शासकीय डिग्री महाविद्यालय (स्वायत्त), विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए.) का आयोजन 24–28 मार्च, 2025

पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए.) का आयोजन डॉ. वी.एस. कृष्णा शासकीय डिग्री कॉलेज (स्वायत्त), विशाखापत्तनम द्वारा इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर के सहयोग से 24 से 28 मार्च, 2025 तक डॉ. वी.एस. कृष्णा शासकीय डिग्री कॉलेज (स्वायत्त), विशाखापत्तनम में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आंध्र विश्वविद्यालय के मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. पी. वेंकटेश्वरलु ने किया। डॉ. आई. विजय बाबू, प्राचार्य, ने प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत करते हुए

अपने संबोधन में शासकीय डिग्री कॉलेजों के पुस्तकालयों में पुस्तकालय स्वचालन के महत्व एवं इसकी निरंतर बढ़ती आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

अपने संबोधन में इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर की वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान) श्रीमती हेमा वी. चोलिन ने प्रतिभागियों को केंद्र की विभिन्न पहलों एवं सेवाओं से अवगत कराया। उन्होंने पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए.) का विस्तृत परिचय देते हुए सूचना विज्ञान के संवर्धन, डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं, पुस्तकालय नेटवर्किंग तथा सोल जैसे पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर के विकास एवं प्रसार में इनफ्लिबनेट केंद्र के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने शैक्षिक संसाधनों के प्रभावी प्रसार तथा विभिन्न संस्थानों के मध्य पुस्तकालयीय सहयोग को सुदृढ़ बनाने में डिजिटल प्लेटफॉर्मों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर विशेष बल दिया।

अपने संबोधन में प्रो. पी. वेंकटेश्वरलु ने पुस्तकालय स्वचालन के प्रभाव तथा सोल 3.0 के माध्यम से पुस्तकालयीय कार्यों को अधिक सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को पुस्तकालय सेवाओं के आधुनिकीकरण हेतु उभरती हुई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में आयोजक महाविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. एम. श्रीनिवास प्रसाद ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन में इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा प्रदान किए गए सहयोग तथा आयोजन समिति के सदस्यों के समर्पित प्रयासों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

डॉ. वी.एस. कृष्णा शासकीय डिग्री कॉलेज (स्वायत्त), विशाखापत्तनम में आयोजित पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए.) के प्रतिभागी

प्रशिक्षण सत्रों का संचालन श्रीमती हेमा वी. चोलिन तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारी (कंप्यूटर विज्ञान) श्री आरती सावले द्वारा किया गया, जिन्होंने कार्यक्रम में मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में अपनी

सेवाएँ प्रदान कीं। इन सत्रों में सोल 3.0 के विभिन्न मॉड्यूलों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में सैद्धांतिक व्याख्यानों के साथ-साथ व्यावहारिक अभ्यास भी शामिल थे, जिससे प्रतिभागियों की विषय संबंधी समझ तथा व्यावहारिक दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई ।

कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने सोल 3.0 की विभिन्न विशेषताओं तथा पुस्तकालयों से संबंधित विविध विषयों पर विचार-विमर्श किया। समापन सत्र के दौरान 39 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम में उनकी सक्रिय सहभागिता एवं व्यावसायिक दक्षता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के सम्मानस्वरूप प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई.एन.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम

भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई.एन.एस) पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 21 मार्च, 2025 को केंद्रीय तमिलनाडु विश्वविद्यालय, तिरुवारुर में किया गया। इस कार्यक्रम का संयुक्त रूप से आयोजन केंद्रीय तमिलनाडु विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग तथा इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर (गुजरात) द्वारा किया गया।

केंद्रीय तमिलनाडु विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के कार्यक्रम समन्वयक, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. एस. थनुसकोडी ने कार्यक्रम में प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने स्वागत संबोधन में उन्होंने विश्वविद्यालयों में आई.आर.आई.एन.एस. के कार्यान्वयन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह शोध उपलब्धियों एवं शोध निष्पादन को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने का एक सशक्त माध्यम है। इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक-ई (पुस्तकालय विज्ञान) डॉ. पी. कन्नन ने कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में रिसर्च इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट एवं आई.आर.आई.एन.एस. तथा शोध संचार प्रणाली में अकादमिक पहचान – ओआरसीआईडी (ORCID) विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। सभी सत्र सहभागितापूर्ण रहे, जिनमें प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से विचार-विमर्श किया।

शोध-चक्र : शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का प्रवेशद्वार विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

समीक्षाधीन अवधि के दौरान इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा शोध-चक्र पर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से छह संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

क्र. सं.	संस्थान का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	विषय	प्रतिभागियों की संख्या	इनफ्लिबनेट केंद्र से विषय विशेष
1	कॉटन विश्वविद्यालय, असम	22-01-2025	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र		सना असलम
2	भाइकाका विश्वविद्यालय, गुजरात	23-01-2025	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	29	वैष्णवी इंगले
3	माजुली विश्वविद्यालय, असम	24-01-2025	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	9	वैष्णवी इंगले
4	राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाइपर), उत्तर प्रदेश	27-01-2025	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	25	वैष्णवी इंगले
5	बांदा विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश	18-02-2025	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	3	वैष्णवी इंगले
6	महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, गुजरात	18-03-2025	नोडल अधिकारी हेतु शोध-चक्र पर मार्गदर्शन	4	वैष्णवी इंगले

इनफ्लिबनेट अधिगम प्रबंधन सेवा (आई.एल.एम.एस.) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

समीक्षाधीन अवधि के दौरान इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा इनफ्लिबनेट अधिगम प्रबंधन सेवा (आई.एल.एम.एस.) पर 03 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

क्र. सं.	विश्वविद्यालय का विश्वविद्यालय का	प्रशिक्षण की तिथि	विषय विशेषज्ञ	प्रतिभागियों की संख्या

1	कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांदरबल, जम्मू एवं कश्मीर	03-02-2025	डॉ. अभिषेक कुमार (वैज्ञानिक-ई) एवं अरशद रफ़ीक़ खान	200
2	डॉ. एम.जी.आर. शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश	07-03-2025	डॉ. अभिषेक कुमार (वैज्ञानिक-ई) एवं अरशद रफ़ीक़ खान	30
3	प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश	28-03-2025	डॉ. अभिषेक कुमार (वैज्ञानिक-ई) एवं अरशद रफ़ीक़ खान	10

उभयलिंगी / ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अनुरोध पर राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान (एन.आई.एस.डी.) के ट्रांसजेंडर एवं भिक्षावृत्ति प्रभाग द्वारा इनफ्लिबनेट केंद्र के माध्यम से ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर जिला मजिस्ट्रेटों/जिलाधिकारियों तथा संबंधित अधिकारियों के लिए 24 ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य जिला अधिकारियों को पोर्टल के संचालन संबंधी प्रक्रियाओं से अवगत कराना, ट्रांसजेंडर (टीजी) प्रमाण-पत्र एवं पहचान-पत्र (आईडी कार्ड) जारी करने से संबंधित उनकी शंकाओं का समाधान करना तथा तकनीकी समस्याओं के निराकरण में सहायता प्रदान करना.

क्र. सं.	राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश	प्रशिक्षण की तिथि
1	मध्य प्रदेश	20-01-2025
2	कर्नाटक	21-01-2025
3	उत्तर प्रदेश	22-01-2025
4	तेलंगाना	23-01-2025
5	महाराष्ट्र	27-01-2025
6	तमिलनाडु	28-01-2025
	पुडुचेरी	
7	आंध्र प्रदेश	30-01-2025
8	छत्तीसगढ़	31-01-2025
9	हरियाणा	4-2-2025
10	बिहार	6-2-2025
	झारखंड	
11	मणपुर	7-2-2025
	असम	
12	पंजाब	10-2-2025
	चंडीगढ़	
13	लद्दाख	11-2-2025
	जम्मू और कश्मीर	
14	गुजरात	12-2-2025

15	राजस्थान	13-02-2025
16	केरल	14-02-2025
17	पश्चिम बंगाल	17-02-2025
	मिजोरम	
18	उत्तराखंड	18-02-2025
19	हिमाचल प्रदेश	20-02-2025
	नागालैंड	
	मेघालय	
	सिक्किम	
	अरुणाचल प्रदेश	
	त्रिपुरा	
20	लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	4-3-2025
	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	
21	ओडिशा	5-3-2025
22	दिल्ली	6-3-2025
23	गोवा	7-3-2025
24	सिक्किम	10-3-2025

इनफ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति

विद्वान (VIDWAN) एवं भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (IRINS)

विद्वान डेटाबेस में प्रतिवेदित अवधि तक 21,875 शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत 29,15,519 से अधिक शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों की विस्तृत प्रोफाइल उपलब्ध है। भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (IRINS), इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों को प्रदान की जाने वाली एक वेब-आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन सेवा है। यह शैक्षणिक एवं अनुसंधान एवं विकास संगठनों, शिक्षकों तथा वैज्ञानिकों को उनकी विद्वतापूर्ण संचार गतिविधियों का संग्रहण, संधारण (क्यूरेशन) एवं प्रदर्शन करने में सहायता प्रदान करती है तथा उन्हें एक विद्वतापूर्ण नेटवर्क विकसित करने का अवसर उपलब्ध कराती है।

प्रतिवेदित अवधि तक इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा संस्थानों के लिए 1,521 IRINS इंस्टेंस स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें से 100 इंस्टेंस प्रतिवेदित अवधि के दौरान स्थापित किए गए। इस परियोजना के माध्यम से 2,29,952 शिक्षकों को जोड़ा गया है। परियोजना के अंतर्गत विभिन्न स्रोतों से 31.47 लाख से अधिक (31,47,601) प्रकाशनों का मेटाडेटा प्राप्त किया गया है तथा प्रतिवेदित अवधि तक 272 लाख से अधिक (2,72,46,486) उद्धरण (Citations) और 106 लाख से अधिक (1,06,18,422) ऑल्टमेट्रिक्स (Altmetrics) उल्लेख प्राप्त हुए हैं।

शोध-चक्र : शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का प्रवेश द्वार

शोध-चक्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मार्गदर्शन में इनफ्लिबनेट केंद्र की एक पहल है, जिसका उद्देश्य शोध समुदाय को उनके संपूर्ण अनुसंधान जीवनचक्र के दौरान सहयोग प्रदान करना है। शोध-चक्र शोधार्थी, मार्गदर्शक/पर्यवेक्षक तथा विश्वविद्यालय को शोधार्थी के अनुसंधान जीवनचक्र के प्रभावी प्रबंधन हेतु एक समेकित मंच उपलब्ध कराता है।यह पोर्टल पूर्ण-पाठ शोधप्रबंधों सहित लाखों संसाधनों से एकीकृत है तथा शोधकर्ताओं को अनुसंधान प्रक्रिया के दौरान आवश्यक विभिन्न उपयोगी उपकरण उपलब्ध कराता है। शोध-चक्र के उपयोग हेतु अब तक कुल 159 विश्वविद्यालयों ने इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से 14 विश्वविद्यालयों ने प्रतिवेदित अवधि के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इन 14 विश्वविद्यालयों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	संस्थान का नाम	विश्वविद्यालय द्वारा समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर की तिथि	इनफ्लिबनेट द्वारा हस्ताक्षर की तिथि
1	आई.आई.एस. (मनित विश्वविद्यालय), जयपुर	26-12-2024	03-01-2025
2	भाइकाका विश्वविद्यालय	20-12-2024	03-01-2025
3	आलिया विश्वविद्यालय	18-12-2024	08-01-2025
4	बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	18-01-2025	06-02-2025
5	जम्मू विश्वविद्यालय	30-01-2025	06-02-2025
6	इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड रिसर्च, आईपीएस अकादमी	12-02-2025	28-02-2025
7	नोबल विश्वविद्यालय	24-02-2024	18-03-2025
8	गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	06-03-2025	21-03-2025
9	वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान		18-03-2025
10	महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा (एम.एस.यू.)	17-03-2025	17-03-2025

11	एस.वी.के.एम. का नरसी मोनजी प्रबंधन अध्ययन संस्थान	10-03-2025	21-03-2025
12	महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय	20-01-2025	18-03-2025
13	भक्त कवि नरसिंह मेहता विश्वविद्यालय	15-03-2025	
14	द असम रॉयल ग्लोबल विश्वविद्यालय	27-02-2025	18-03-2025

शोध-चक्र के लिए 17 मार्च 2025 को महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वडोदरा के साथ समझौता ज्ञापन (एम.एस.यू.) हस्ताक्षर समारोह

शोध-चक्र के लिए 26 मार्च 2025 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन (एम.एस.यू.) हस्ताक्षर समारोह

अंतरराष्ट्रीय मानक पुस्तक संख्या (आई.एस.बी.एन)

उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय की स्वीकृति के अनुसार, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर को आई.एस.बी.एन पोर्टल के तकनीकी अनुरक्षण के साथ-साथ इसके दैनिक संचालन एवं प्रबंधन का दायित्व सौंपा गया है। इसके अंतर्गत हितधारकों का पंजीकरण, आवेदन प्राप्त करना तथा आई.एस.बी.एन का आवंटन जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। प्रतिवेदित अवधि (1 जनवरी से 31 मार्च, 2025) के दौरान आई.एस.बी.एन पोर्टल पर 4,135 हितधारकों ने पंजीकरण कराया तथा 11,236 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवधि में हितधारकों एवं प्रकाशकों को कुल 1,54,870 आई.एस.बी.एन आवंटित किए गए।

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों हेतु राष्ट्रीय पोर्टल (टीजी पोर्टल)

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के साथ संपादित समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू) के अंतर्गत इनफ्लिबनेट केंद्र ने 'ट्रांसजेंडर व्यक्तियों हेतु राष्ट्रीय पोर्टल' विकसित किया है। यह पोर्टल ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को देश के किसी भी स्थान से डिजिटल माध्यम द्वारा प्रमाण-पत्र एवं पहचान-पत्र के लिए आवेदन करने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे उन्हें किसी कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से जाने की आवश्यकता नहीं होती । इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा समझौता ज्ञापन के प्रावधानों के अनुरूप इस पोर्टल की सेवाओं का सफलतापूर्वक संचालन निरंतर किया जा रहा है। प्रतिवेदित अवधि के दौरान प्राप्त आवेदनों, जारी किए गए प्रमाण-पत्रों एवं पहचान-पत्रों तथा अन्य संबंधित विवरणों के आँकड़े निम्नलिखित सारणी में प्रस्तुत हैं।

आवेदन(स्थिति वार)	प्राप्त आवेदनों की संख्या	अपात्र पाए गए आवेदनों की संख्या	जारी किए गए प्रमाण-पत्रों की संख्या	जारी किए गए पहचान पत्रों की संख्या
अवधिं: जनवरी से मार्च,2025	1945	130	727	727

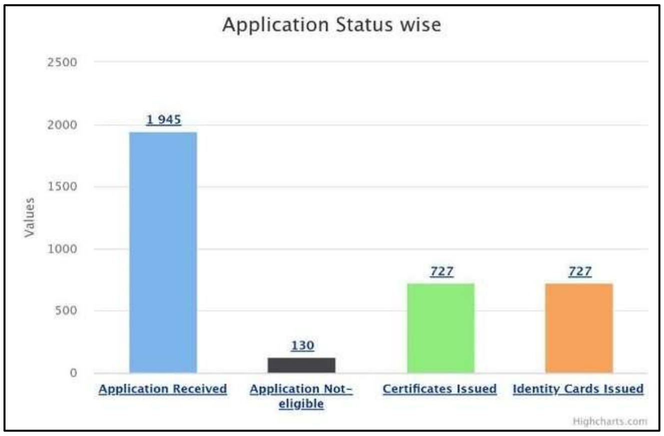

शोधगंगा : भारतीय शोधप्रबंधों का भंडार

वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही शोधगंगा के लिए उल्लेखनीय रही। इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालयों, केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थानों (सी.एफ.टी.आई.) तथा राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थानों (आई.एन.आई.) द्वारा शोधप्रबंधों की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई। साथ ही, शोधगंगा में किए गए विभिन्न उन्नयनों (अपग्रेड्स) का परीक्षण भी किया गया।भारतीय विश्वविद्यालयों के पूर्ण-पाठ शोधप्रबंधों के डिजिटल भंडार शोधगंगा का निरंतर विस्तार हो रहा है। प्रतिवेदित अवधि (जनवरी–मार्च, 2025) के दौरान 19,303 शोधप्रबंध अपलोड किए गए। इसके साथ ही, इस अवधि के अंत तक शोधगंगा में उपलब्ध पूर्ण-पाठ शोधप्रबंधों की कुल संख्या 5,96,034 हो गई।

31 मार्च, 2025 तक 958 संस्थानों (848 विश्वविद्यालय तथा 110 केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थान (सी.एफ.टी.आई.) /राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान (आई.एन.आई.) ने शोधगंगा के लिए इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रतिवेदित अवधि के दौरान 15 विश्वविद्यालयों द्वारा नए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे शोधगंगा में पूर्ण-पाठ शोधप्रबंधों की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई।फलस्वरूप, इस प्रतिवेदन अवधि में शोधगंगा रिपॉजिटरी का निरंतर विस्तार हुआ है। प्रतिवेदित तिमाही (जनवरी–मार्च, 2025) के दौरान कुल 19,303 शोधप्रबंध अपलोड किए गए (चित्र–1)।

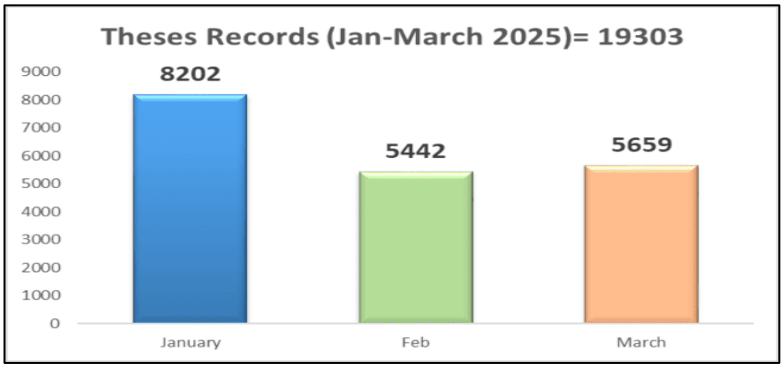

चित्र–1 : शोधगंगा में अपलोड किए गए शोधप्रबंध

नवगठित शोधगंगा राष्ट्रीय संचालन समिति (एस.एन.एस.सी.) की अनुशंसाएँ तथा ORCID का समावेशन

21 अगस्त, 2024 को आयोजित नवगठित शोधगंगा राष्ट्रीय संचालन समिति की बैठक में की गई अनुशंसाओं के अनुसार, जनवरी, 2025 से शोधगंगा में शोधप्रबंध के अध्यायों/फ़ाइलों को अपलोड करते

समय ORCID तथा साहित्यिक चोरी (Plagiarism) जाँच प्रतिवेदन अपलोड करना अनिवार्य कर दिया गया है।

शोधगंगा को अधिक उन्नत संस्करण में स्थानांतरित करने का कार्य प्रगति पर है, जिससे इसकी गति एवं अभिगम्यता में उल्लेखनीय सुधार होगा। इस प्रक्रिया के अंतर्गत आधारभूत संरचना का उन्नयन, डेटाबेस एवं उपयोगकर्ता अंतरापृष्ठ (Interface) का स्थानांतरण तथा कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से शोधगंगा में अतिरिक्त सुविधाओं एवं प्लग-इन्स का समावेश किया जा रहा है।

शोधगंगोत्री

शोधगंगोत्री को आयुष मंत्रालय के अनुरोध पर अब स्नातकोत्तर (PG) शोध-प्रबंधों (Dissertations) के लिए भी उपलब्ध करा दिया गया है। वर्तमान में इस रिपॉजिटरी में 147 विश्वविद्यालयों द्वारा उपलब्ध कराए गए 16,194 शोध-सार (Synopses), लघु अनुसंधान परियोजनाएँ (MRPs), पीडीएफ, फेलोशिप तथा स्नातकोत्तर शोध-प्रबंध संग्रहीत हैं। प्रतिवेदित अवधि के दौरान 942 शोध-सार/एमआरपी/पीडीएफ/फेलोशिप/स्नातकोत्तर शोध-प्रबंध इस रिपॉजिटरी में जोड़े गए।

शोधशुद्धि एवं साहित्यिक चोरी जाँच सॉफ्टवेयर (पीडीएस)

शिक्षा मंत्रालय द्वारा अपनी शोधशुद्धि पहल के अंतर्गत 1 सितंबर, 2019 से भारत के सभी केंद्रीय, राज्य, मानित एवं निजी विश्वविद्यालयों तथा केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थानों/राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थानों (CFTIs/INIs) को केंद्रीय वित्तीय सहायता के माध्यम से साहित्यिक चोरी जाँच सॉफ्टवेयर (Plagiarism Detection Software – PDS) की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस पहल का उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों में शैक्षणिक सत्यनिष्ठा (Academic Integrity) को सुदृढ़ करना तथा साहित्यिक चोरी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। अक्टूबर, 2023 से 1,100 से अधिक उच्च शिक्षण संस्थानों (HEIs) के लिए नया साहित्यिक चोरी जाँच सॉफ्टवेयर – ड्रिलबिट एक्सट्रीम उपलब्ध कराया गया है। मूल्यांकन समिति की अनुशंसा के आधार पर, वर्तमान अनुबंध को उसी नियमों एवं शर्तों के साथ अक्टूबर, 2025 तक एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है।

31 मार्च, 2025 तक शोधशुद्धि परियोजना के प्रारंभ से अब तक 1,150 विश्वविद्यालयों/संस्थानों (जिनमें से 864 सक्रिय हैं) द्वारा 51,64,480 दस्तावेज़ समानता एवं साहित्यिक चोरी की जाँच हेतु प्रस्तुत किए जा चुके हैं। शोधशुद्धि परियोजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 10 लाख दस्तावेज़ों की जाँच का

प्रावधान किया गया था, जिसमें 20 प्रतिशत अतिरिक्त क्षमता का भी प्रावधान है। 31 मार्च, 2025 तक इस परियोजना के अंतर्गत 51.64 लाख दस्तावेज़ समानता एवं साहित्यिक चोरी की जाँच के लिए प्रस्तुत किए जा चुके हैं।

प्रतिवेदित अवधि के दौरान साहित्यिक चोरी जाँच सॉफ्टवेयर (पीडीएस) के उपयोग संबंधी आँकड़े

प्रतिवेदित अवधि के दौरान साहित्यिक चोरी जाँच सॉफ्टवेयर (PDS) में कुल 1,65,773 दस्तावेज़ जाँच हेतु प्रस्तुत किए गए। चित्र–2 में पिछले तीन महीनों के दौरान प्राप्त दस्तावेज़ों की संख्या दर्शाई गई है, जिसमें जनवरी: 59,667, फरवरी: 51,944 तथा मार्च: 63,454 दस्तावेज़ प्रस्तुत किए गए। इस अवधि के दौरान प्रति माह प्रस्तुत किए गए दस्तावेज़ों की औसत संख्या 58,355 रही। चित्र–3 में प्रतिवेदित अवधि के दौरान प्रति माह सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या दर्शाई गई है।

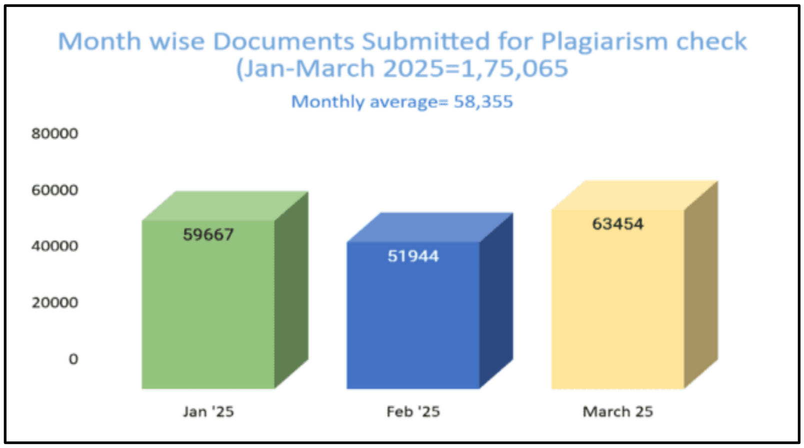

चित्र–2 : पीडीएस में माहवार प्रस्तुत दस्तावेज़ों की संख्या (जनवरी–मार्च, 2025)

*शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत संचालित इनफ्लिबनेट केंद्र की शोधशुद्धि–पीडीएस परियोजना का उपयोग केवल पीएच.डी. शोधप्रबंधों, शोध-सार (Synopsis) तथा संबंधित शोधप्रबंध से जुड़े शोध-लेखों में साहित्यिक चोरी (Plagiarism) की जाँच के लिए किया जाता है। विश्वविद्यालय अपने संस्थागत नियमों एवं नीतियों के अनुसार उपयोगकर्ताओं को इस सुविधा तक पहुँच प्रदान करते हैं। अनेक विश्वविद्यालयों में साहित्यिक चोरी की जाँच हेतु दस्तावेज़ों का परीक्षण करने की जिम्मेदारी नामित/अधिकृत अधिकारियों को सौंपी गई है।

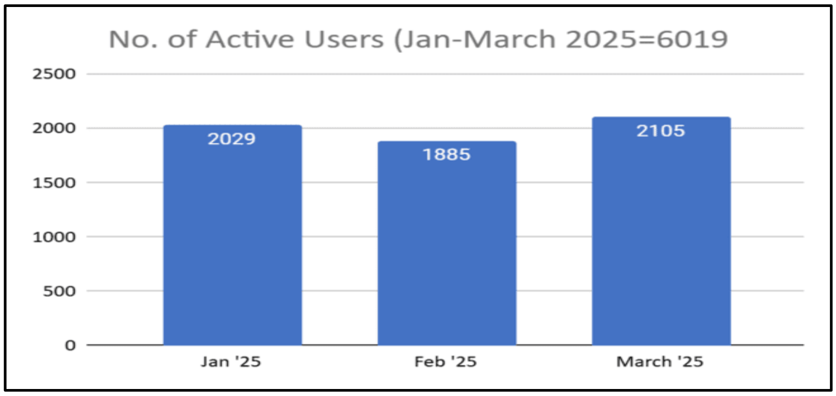

चित्र–3 : प्रतिवेदित अवधि के दौरान सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या

इनफ्लिबनेट केंद्र के मोबाइल ऐप एवं व्हाट्सएप सेवा का शुभारंभ।

इनफ्लिबनेट केंद्र अपने मोबाइल ऐप एवं व्हाट्सएप सेवा के आधिकारिक शुभारंभ की घोषणा करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहा है। इन सेवाओं का उद्देश्य केंद्र द्वारा प्रदान की जा रही विविध शैक्षणिक एवं अनुसंधान सेवाओं तक पहुँच को अधिक सहज बनाना, प्रभावी संवाद स्थापित करना तथा उपयोगकर्ताओं की सहभागिता को और अधिक सुदृढ़ करना है।

मोबाइल ऐप की प्रमुख विशेषताएँ :

- शोधगंगा, शोधशुद्धि, ई-शोधसिंधु, विद्वान (VIDWAN), आई.आर.आई.एन.एस. (IRINS) सहित इनफ्लिबनेट की विभिन्न सेवाओं तक सहज पहुँच।
- सरल एवं उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफेस , जिससे सेवाओं का सुगम उपयोग सुनिश्चित होता है।
- शैक्षणिक संसाधनों, नवीनतम अद्यतनों तथा आयोजनों से संबंधित रियल-टाइम अधिसूचनाएँ प्राप्त करने की सुविधा।
- एंड्रॉयड तथा आईओएस दोनों प्लेटफ़ॉर्म पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध।

व्हाट्सएप सेवा की प्रमुख विशेषताएँ :

- इनफ्लिबनेट के प्रमुख संसाधनों एवं सेवाओं से संबंधित जानकारी का तत्काल उपलब्ध होना।
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs), संपर्क विवरण तथा नवीनतम अद्यतनों तक त्वरित पहुँच।
- सदस्यता-आधारित शैक्षणिक अलर्ट एवं अनुस्मारक (Reminders) प्राप्त करने की सुविधा।
- व्हाट्सएप चैट के माध्यम से सहायता सेवाओं से सहज एवं त्वरित संवाद की सुविधा।

ये पहलें डिजिटल नवाचार एवं उपयोगकर्ता-केंद्रित सेवाओं के माध्यम से शैक्षणिक एवं अनुसंधान समुदाय को सुदृढ़ सहयोग प्रदान करने के प्रति इनफ्लिबनेट केंद्र की निरंतर प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती हैं।

ओपन सोल : अगली पीढ़ी की पुस्तकालय स्वचालन प्रणाली का पूर्वावलोकन संस्करण जारी

इनफ्लिबनेट केंद्र को ओपन सोल के पूर्वावलोकन संस्करण के जारी होने की घोषणा करते हुए हर्ष हो रहा है। यह सोल पुस्तकालय स्वचालन प्रणाली का एक अभिनव वेब-आधारित संस्करण है, जिसे शैक्षणिक एवं अनुसंधान पुस्तकालयों की निरंतर विकसित होती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। पूर्णतः नए सिरे से विकसित ओपन सोल में अनेक नवीन सुविधाओं तथा अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का समावेश किया गया है, जो पुस्तकालय स्वचालन के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करती हैं।

ओपन सोल में क्या है नया?

- पूर्णतः पुनर्विकसित: बेहतर प्रदर्शन, उच्च दक्षता तथा विस्तार-क्षमता सुनिश्चित करने के लिए प्रणाली को पूर्णतः नए सिरे से विकसित किया गया है।
- RESTful सेवाओं पर आधारित आर्किटेक्चर: उच्च विस्तार-क्षमता तथा मॉड्यूलर संरचना पर आधारित वास्तुकला।
- मॉड्यूलर दृष्टिकोण: कार्यक्षमता में वृद्धि हेतु विभिन्न मॉड्यूलों के निर्बाध एकीकरण की सुविधा।
- ओपन सोर्स उपकरण एवं प्रौद्योगिकियाँ: ओपन सोर्स फ्रेमवर्क पर आधारित विकास, जिससे लागत-प्रभावशीलता तथा लचीलापन सुनिश्चित होता है।
- ब्राउज़र-आधारित हल्का सॉफ्टवेयर: आधुनिक वेब ब्राउज़र के माध्यम से सरल एवं सुविधाजनक उपयोग।
- क्लाउड परिनियोजन समर्थ: अधिक लचीलेपन के लिए क्लाउड अवसंरचना पर परिनियोजन (Deployment) की सुविधा।

- सॉफ्टवेयर ऐज़ ए सर्विस (SaaS) संगत: इसे सॉफ्टवेयर ऐज़ ए सर्विस मॉडल के रूप में भी उपलब्ध कराया जा सकता है।
- उन्नत कार्यक्षमता: इसमें सोल 3.0 की सभी विशेषताओं के साथ अनेक नए ऐड-ऑन एवं उन्नत सुविधाएँ भी सम्मिलित की गई हैं।

प्रौद्योगिकी स्टैक

- प्रौद्योगिकी: जावा डेवलपमेंट किट (JDK), जावा ईई (Java EE), जर्सी फ्रेमवर्क (Jersey Framework), अपाचे मेवेन (Apache Maven) तथा नोड.जेएस (Node.js)।
- डेटाबेस: सुदृढ़ एवं विश्वसनीय आँकड़ा प्रबंधन के लिए मायएसक्यूएल/मारियाडीबी (MySQL/MariaDB)।
- परिनियोजन सर्वर: रेस्ट एपीआई (REST API) होस्टिंग के लिए अपाचे टॉमकैट (Apache Tomcat) तथा क्लाइंट होस्टिंग के लिए अपाचे एचटीटीपी सर्वर (Apache HTTP Server)।
- ब्राउज़र सपोर्ट: गूगल क्रोम (Chrome), मोज़िला फ़ायरफ़ॉक्स (Firefox), सफारी (Safari) तथा माइक्रोसॉफ्ट एज (Microsoft Edge)।
- क्लाइंट एप्लिकेशन: सहज एवं अनुक्रियाशील (Responsive) उपयोगकर्ता अंतरफलक के लिए एचटीएमएल (HTML), जावा सर्वर पेजेज़ (JSP), सीएसएस (CSS), जावास्क्रिप्ट (JavaScript) तथा व्यू.जेएस (Vue.js)।
- एपीआई सुरक्षा: सुरक्षित अभिगम सुनिश्चित करने के लिए जेडब्ल्यूटी (JWT) आधारित प्रमाणीकरण तथा प्राधिकरण।

प्रमुख विशेषताएँ

- अनुशंसा प्रणाली सहित तीव्र ओपैक (OPAC): बुद्धिमत्तापूर्ण अनुशंसाओं के साथ उन्नत खोज एवं सूचना प्राप्ति की सुविधा।
- ब्राउज़र-स्वतंत्र: सभी प्रमुख वेब ब्राउज़रों पर पूर्णतः कार्यक्षम।
- यूज़र-फ्रेंडली एवं रिस्पॉन्सिव इंटरफेस: विभिन्न डिवाइसों पर सहज एवं निर्बाध यूज़र एक्सपीरियंस सुनिश्चित करता है।
- इम्प्रूव्ड फंक्शनैलिटीज़: पुस्तकालय संचालन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न मॉड्यूलों में महत्वपूर्ण सुधार।
- कस्टमाइज़ेबल रिपोर्ट्स: संस्थान की आवश्यकताओं के अनुसार रिपोर्ट तैयार करने की सुविधा।
- कॉन्फिगरेबल ई-मेल/एसएमएस अलर्ट्स: महत्वपूर्ण अपडेट्स एवं यूज़र इंटरैक्शन के लिए स्वचालित सूचना भेजने की सुविधा।

- कम्बाइंड एक्विज़िशन सिस्टम: पुस्तकों एवं सीरियल्स के एकीकृत एक्विज़िशन की सुविधा, जिससे कार्यप्रवाह अधिक सरल एवं सुव्यवस्थित बनता है।

इनफ्लिबनेट केंद्र में 27 फ़रवरी 2025 को आयोजित ओपन डे–2025 के अवसर पर श्री यात्रीक पटेल, वैज्ञानिक-ई (कंप्यूटर विज्ञान), ने ओपन सोल पर एक ज्ञानवर्धक एवं विस्तृत प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति में उन्होंने ओपन सोल की प्रमुख विशेषताओं, नवीन तकनीकों तथा पुस्तकालय स्वचालन के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। प्रस्तुति को प्रतिभागियों से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। इससे आगामी ओपन सोल के प्रति पुस्तकालय समुदाय में व्यापक रुचि, उत्सुकता एवं उत्साह का संचार हुआ। पयोगकर्ताओं को ओपन सोल की नई विशेषताओं एवं कार्यात्मकताओं का अवलोकन, मूल्यांकन तथा परीक्षण करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से इसका बीटा संस्करण ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है।

ओपन सोल के पूर्वावलोकन (बीटा) खाते के पंजीकरण के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें।

- https://soulweb.inflibnet.ac.in पर जाएँ।
- साइन-अप पृष्ठ पर अपनी आवश्यक जानकारी दर्ज कर पंजीकरण करें।
- आपके पंजीकृत ई-मेल पते पर एक ओटीपी प्राप्त होगा। ओटीपी के माध्यम से अपने खाते का सत्यापन करें।
- सफल सत्यापन के उपरांत आपके खाते की सोल टीम द्वारा समीक्षा की जाएगी तथा अनुमोदन प्रदान किया जाएगा।
- खाते के अनुमोदन के पश्चात आपको पासवर्ड सेट करने के निर्देशों सहित एक ई-मेल प्राप्त होगा।
- खाते में लॉग-इन करने के पश्चात ओपन सोल की नवीन सुविधाओं एवं उन्नत कार्यात्मकताओं का लाभ उठाएँ।

ओपन सोल का पूर्वावलोकन (बीटा) संस्करण उपयोगकर्ताओं को इसकी नई एवं उन्नत सुविधाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। सॉफ्टवेयर के आधिकारिक संस्करण के जारी होने की सूचना उचित समय पर साझा की जाएगी।

14वें अंतरराष्ट्रीय कैलिबर 2025 की घोषणा

कैलिबर 2025 शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों में पुस्तकालयों के स्वचालन पर आयोजित 14वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन है, जिसका आयोजन इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति के सहयोग से किया जा रहा है। यह सम्मेलन 17 से 19 नवंबर 2025 तक श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश में आयोजित किया जाएगा।

सम्मेलन का विषय- ***पुस्तकालय 2047 : विकसित भारत के निर्माण हेतु ज्ञान का लोकतंत्रीकरण***
यह विषय वर्ष 2047 तक भारत में पुस्तकालयों के भावी स्वरूप की परिकल्पना पर केंद्रित है। इसमें ज्ञान तक समान एवं समावेशी पहुँच सुनिश्चित करने तथा राष्ट्र निर्माण एवं राष्ट्रीय विकास में पुस्तकालयों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर विशेष बल दिया गया है।

उप-विषय

- **डिजिटल ज्ञान सृजन, प्रसार एवं अवसंरचना**
  - भारत में पुस्तकालय प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने के लिए नीतियों का निर्माण।
  - पुस्तकालय प्रणालियों में क्लाउड कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) तथा ब्लॉकचेन की भूमिका।
  - अनुसंधान एवं शिक्षा के लिए मुक्त अभिगम (Open Access) आंदोलन को सुदृढ़ बनाना।
  - समान एवं समावेशी शिक्षण अवसरों के लिए मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources–OERs) की भूमिका।
  - पुस्तकालय अवसंरचना के विस्तार एवं आधुनिकीकरण के लिए वित्तपोषण रणनीतियों तथा ज्ञान तक लोकतांत्रिक पहुँच सुनिश्चित करने में सरकार, निजी क्षेत्र एवं गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) की भूमिका।
- **सामाजिक समता एवं सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के संवर्धन में पुस्तकालयों की भूमिका**
  - वंचित एवं हाशिए पर स्थित समुदायों तक पुस्तकालय सेवाओं का विस्तार।
  - महिलाओं, बच्चों तथा दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में पुस्तकालयों की भूमिका।
  - शहरी–ग्रामीण ज्ञान-अंतर को कम करने हेतु समावेशी पुस्तकालय कार्यक्रम।
  - पर्यावरणीय जागरूकता एवं शिक्षा को बढ़ावा देने में पुस्तकालयों की भूमिका।
  - सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में पुस्तकालयों का योगदान।
- **ई-संसाधनों के प्रवेशद्वार एवं नवाचार केंद्र के रूप में पुस्तकालय**
  - ई-संसाधनों तक पहुँच के लिए फेडरेटेड सर्च एवं डिस्कवरी सेवाएँ।

- वैश्विक सूचना तक पहुँच के लिए पुस्तकालय नेटवर्क को सुदृढ़ बनाना।
- ज्ञान संसाधनों तक पहुँच एवं परामर्श (मेंटरशिप) के माध्यम से स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करना।
- स्मार्ट पुस्तकालयों, मेकर स्पेसेज़ तथा डिजिटल प्रयोगशालाओं के माध्यम से अनुसंधान एवं नवाचार को सशक्त बनाना।
- शैक्षणिक पुस्तकालयों के लिए बेंचमार्किंग एवं प्रदर्शन मूल्यांकन (Performance Metrics) विकसित करना।

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आउटरीच

इनफ्लिबनेट केन्द्र ने 20 फरवरी 2025 को गोवा सरकार के उच्च शिक्षा के साथ आधिकारिक रूप से एक समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग के माध्यम से गोवा के उच्च शिक्षा निदेशालय तथा उसके अधीनस्थ महाविद्यालयों के हितधारकों के लिए इनफ्लिबनेट की सेवाओं का निर्बाध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।

इनफ्लिबनेट केन्द्र, गांधीनगर ने 21 मार्च 2025 को गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (जीटीयू), गांधीनगर के साथ इनफ्लिबनेट सेवाओं के कार्यान्वयन हेतु आधिकारिक रूप से एक समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग के माध्यम से जीटीयू के हितधारकों के लिए इनफ्लिबनेट सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं उनके व्यापक उपयोग को सुनिश्चित किया जाएगा।

अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

खेल सप्ताह के अवसर पर आयोजित खेल प्रतियोगिताएँ

नफ्लिबनेट केन्द्र, गांधीनगर के मनोरंजन क्लब में केन्द्र के कर्मचारियों के लिए 16 से 23 जनवरी 2025 तक खेल सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शतरंज, कैरम, बैडमिंटन, बॉक्स क्रिकेट, रस्साकशी, पिट्ठू तथा लक्ष्यभेदन जैसी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनफ्लिबनेट के कर्मचारियों ने संबंधित खेलों के नियमों के अनुसार टीम अथवा व्यक्तिगत श्रेणी में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा 76वें गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2025) के अवसर पर की गई तथा उन्हें स्मृति-चिहन प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही, सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए।

गणतंत्र दिवस समारोह

इनफ्लिबनेट केन्द्र, गांधीनगर में 26 जनवरी 2025 को 76वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर इनफ्लिबनेट केन्द्र की निदेशक, प्रो. देविका पी. माडल्ली ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। तत्पश्चात उन्होंने केन्द्र के कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को संबोधित करते हुए केन्द्र की विभिन्न गतिविधियों, उपलब्धियों तथा भावी पहलों पर प्रकाश डाला।

इनफ्लिबनेट केन्द्र में 76वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

बसंत पंचमी समारोह

इनफ्लिबनेट केन्द्र परिसर में 2 फरवरी 2025 को बसंत पंचमी का समारोह श्रद्धा एवं उल्लास के साथ आयोजित किया गया। समारोह का शुभारम्भ इनफ्लिबनेट केन्द्र की निदेशक, प्रो. देविका पी. माडल्ली द्वारा कर्मचारियों के साथ माँ सरस्वती के पूजन एवं आराधना से किया गया। इस अवसर पर सभी ने ज्ञान, विद्या एवं बुद्धि की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती से प्रगति, समृद्धि एवं सद्बुद्धि की कामना की।

इनफ्लिबनेट केन्द्र में बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन

इनफ्लिबनेट केन्द्र, गांधीनगर में 27 फरवरी 2025 को इनफ्लिबनेट केन्द्र स्थापना दिवस (ओपन डे) समारोह

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के स्वायत्त अंतर-विश्वविद्यालय केन्द्र सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क (इनफ्लिबनेट) केन्द्र, गांधीनगर ने 27 फरवरी 2025 को अपने स्थापना दिवस (ओपन डे) का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस वार्षिक कार्यक्रम का उद्देश्य देश के उच्च शिक्षा क्षेत्र के विकास में पुस्तकालय एवं सूचना सेवाओं, डिजिटल अवसंरचना तथा शैक्षणिक अनुसंधान सहयोग को सुदृढ़ बनाने में इनफ्लिबनेट केन्द्र की उपलब्धियों, पहलों एवं योगदान को प्रदर्शित करना था। इस कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों एवं अनुसंधान एवं विकास (R&D) संगठनों से 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें मुख्य रूप से पुस्तकालय एवं सूचना पेशेवर, अनुसंधान प्रशासक, संकाय सदस्य तथा विद्यार्थी एवं शोधार्थी शामिल थे।

स्थापना दिवस (ओपन डे) कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में अनेक आमंत्रित अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। अपने स्वागत संबोधन में इनफ्लिबनेट केन्द्र की निदेशक, प्रो. देविका पी. माडल्ली ने इनफ्लिबनेट केन्द्र तथा इसकी विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की सत्यापित पहलों एवं सेवाओं का परिचय दिया, जो देश की उच्च शिक्षा, अनुसंधान, पुस्तकालयों तथा शैक्षणिक समुदाय की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समर्पित हैं। इसके उपरांत इनफ्लिबनेट केन्द्र के वैज्ञानिक-एफ, श्री मनोज कुमार के. ने ओपन डे कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करते हुए इसके उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला।

इसके पश्चात कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, सुश्री मोना खंधार, आईएएस, प्रधान सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात सरकार ने इनफ्लिबनेट मोबाइल ऐप तथा व्हाट्सएप सेवा का शुभारम्भ किया। इन सेवाओं का उद्देश्य देशभर के आम नागरिकों, शोधकर्ताओं तथा शैक्षणिक समुदाय के अंतिम उपयोगकर्ताओं तक इनफ्लिबनेट की सेवाओं को अधिक सुलभ एवं सशक्त रूप से पहुँचाना है। उन्होंने पुस्तकालयों एवं संस्थानों में रिसर्च कॉर्नर की स्थापना हेतु आयोजित रैफल ड्रॉ के विजेता की भी घोषणा की। अपने उदघाटन संबोधन में सुश्री मोना खंधार ने ज्ञान-आधारित सेवाओं के महत्व पर बल देते हुए कहा कि, "राष्ट्रीय विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें अपनी प्रौद्योगिकी, नवाचार तथा सेवाओं का निरंतर विकास एवं उन्नयन करना होगा।

इसके उपरांत आमंत्रित वक्ता डॉ. बी. अहिलन, भारत सरकार के पेटेंट एवं डिज़ाइन के संयुक्त नियंत्रक, ने अपने संबोधन में नवाचार तथा नवीन विचारों के पेटेंट संरक्षण के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों से समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समस्या-समाधान आधारित नवोन्मेषी समाधान विकसित करने का आह्वान किया तथा विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में नवाचार एवं बौद्धिक संपदा की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

डॉ. सर्जियो लायस सुआरेज़, कॉर्डोबा, स्पेन स्थित कांसुलर कोर के डीन, ने अपने संबोधन में इनफ्लिबनेट केन्द्र, गांधीनगर की निदेशक का स्थापना दिवस (ओपन डे) –2025 में आमंत्रित करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने इनफ्लिबनेट तथा अर्जेंटीना के शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान तथा संयुक्त गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की इच्छा व्यक्त की।

उद्घाटन सत्र का समापन इनफ्लिबनेट केन्द्र के वैज्ञानिक-डी, श्री दिनेश रंजन प्रधान द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसके उपरांत सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का सामूहिक छायाचित्र (Group Photo) लिया गया। इसके पश्चात अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने ओपन हाउस का भ्रमण किया, जहाँ इनफ्लिबनेट केन्द्र की विभिन्न परियोजनाओं, पहलों तथा अब तक की प्रमुख उपलब्धियों का प्रदर्शन किया गया।

मोबाइल ऐप एवं व्हाट्सएप सेवा के शुभारम्भ के पश्चात आइडियाथॉन (Ideathon) प्रतियोगिता में चयनित विचारों की प्रस्तुतियाँ दी गईं। इसके बाद इनफ्लिबनेट केन्द्र की गतिविधियों एवं सेवाओं पर आधारित फोटोग्राफी प्रतियोगिता तथा प्रश्नोत्तरी (क्विज़) प्रतियोगिता आयोजित की गई। तत्पश्चात इनफ्लिबनेट केन्द्र के वैज्ञानिक-ई, श्री यात्रिक पटेल ने ओपन सोल (ओपन सोल – विश्वविद्यालय

पुस्तकालयों के लिए सॉफ़्टवेयर) पर संक्षिप्त प्रस्तुति दी। इसके उपरांत इनफ्लिबनेट केन्द्र के वैज्ञानिक-डी, श्री दिनेश रंजन प्रधान ने केन्द्र की उभरती हुई पहलों के अंतर्गत भारतकैट पर प्रस्तुति दी।

समापन (वैलेडिक्टरी) सत्र का शुभारम्भ इनफ्लिबनेट केन्द्र की वैज्ञानिक-डी (पुस्तकालय विज्ञान), डॉ. कृति जे. त्रिवेदी के स्वागत संबोधन से हुआ। इसके पश्चात इनफ्लिबनेट केन्द्र के वैज्ञानिक-डी, श्री दिनेश रंजन प्रधान ने पूरे दिन आयोजित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। तत्पश्चात प्रतिभागियों ने अपने अनुभव एवं सुझाव साझा किए।

इसके उपरांत इनफ्लिबनेट केन्द्र की निदेशक, प्रो. देविका पी. माडल्ली ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। समारोह के अंत में आइडियाथॉन प्रस्तुति प्रतियोगिता, इनफ्लिबनेट रिसर्च कॉर्नर रैफल, प्रश्नोत्तरी (क्विज़) प्रतियोगिता तथा फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इसके पश्चात समापन सत्र के मुख्य अतिथि, श्री एम. नागराजन, आईएएस, उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम (जी.एस.आर.टी) ने अपने संबोधन में इनफ्लिबनेट केन्द्र, गांधीनगर द्वारा ज्ञान के लोकतंत्रीकरण तथा "सभी के लिए ज्ञान" की दिशा में प्रदान की जा रही राष्ट्रीय स्तर की सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि केवल व्यावसायिक दृष्टिकोण के आधार पर समाज का समग्र कल्याण सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि केवल ज्ञान का सृजन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका व्यापक प्रसार एवं पुनरुत्पादन भी समान रूप से आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि देश के युवाओं को नवीन एवं सार्थक विचार विकसित करने के लिए प्रेरित करना, उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करना तथा उन विचारों को व्यापक स्तर पर विकसित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इससे भारत को नवाचार का वैश्विक केन्द्र तथा ज्ञान-आधारित समाज बनाने के लक्ष्य को साकार किया जा सकेगा, जो माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के *विकसित भारत* के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

स्थापना दिवस (ओपन डे) –**2025** कार्यक्रम का समापन इनफ्लिबनेट केन्द्र के वैज्ञानिक-ई, श्री कन्नन पी. द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इसके उपरांत राष्ट्रगान के गायन के साथ कार्यक्रम का औपचारिक समापन किया गया।

इनफ्लिबनेट केन्द्र में आयोजित ओपन डे–2025 ने केन्द्र को आमजन एवं अपने अंतिम उपयोगकर्ताओं के साथ प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। इस अवसर पर केन्द्र ने अपनी

दृष्टि, मिशन एवं कार्यनीतियों को साझा करते हुए देश के पुस्तकालय, शैक्षणिक एवं अनुसंधान समुदाय को बेहतर संसाधन, सेवाएँ, प्रौद्योगिकीय अवसंरचना तथा तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से आगंतुकों को इनफ्लिबनेट केन्द्र की विभिन्न गतिविधियों एवं सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने, उपयोगी अंतर्दृष्टियाँ (Insights) हासिल करने तथा केन्द्र की तकनीकी टीमों के साथ प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने का अवसर मिला।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह एवं जागरूकता कार्यक्रम इनफ्लिबनेट केन्द्र, गांधीनगर , 18 मार्च 2025

इनफ्लिबनेट केन्द्र ने 10 मार्च 2025 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शेरनी (SheRNI) पोर्टल पर आधारित एक विशेष कार्यक्रम का गर्वपूर्वक आयोजन किया।

इनफ्लिबनेट केन्द्र ने 18 मार्च 2025 को कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) विषय पर एक संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया।कार्यक्रम का उद्घाटन इनफ्लिबनेट केन्द्र की निदेशक, प्रो. देविका पी. माडल्ली ने आमंत्रित वक्ता डॉ. प्राची मोटियानी, सदस्य सचिव, महिला विकास प्रकोष्ठ (WDC) एवं आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी), विधि विद्यालय, गुजरात विश्वविद्यालय, तथा इनफ्लिबनेट केन्द्र के कर्मचारियों की उपस्थिति में किया। कार्यक्रम का समन्वयन

इनफ्लिबनेट केन्द्र की वैज्ञानिक-सी (पुस्तकालय विज्ञान) एवं आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की सदस्य, डॉ. सुरभि ने किया। उन्होंने स्वागत उद्‌बोधन प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम, आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) तथा उसकी गतिविधियों का संक्षिप्त परिचय दिया। अपने संबोधन में प्रो. देविका पी. माडल्ली ने कार्यस्थल पर सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सभी लिंगों के प्रति समानता, सम्मान एवं समावेशिता के महत्व को रेखांकित किया। साथ ही, उन्होंने महिला पेशेवरों के लिए विकसित शेरनी (SheRNI) मंच का उल्लेख करते हुए बताया कि इस मंच पर एक लाख से अधिक प्रोफ़ाइलों का महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर पार किया जा चुका है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्राची मोटियानी, सदस्य सचिव, महिला विकास प्रकोष्ठ (WDC) एवं आंतरिक शिकायत समिति आईसीसी) तथा विभागाध्यक्ष, विधि विद्‌यालय, गुजरात विश्वविद्‌यालय, ने "लैंगिक संवेदनशीलता : दृष्टिकोण में परिवर्तन, बदलाव का सृजन" विषय पर एक विचारोत्तेजक एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. प्राची मोटियानी ने अपने संबोधन में विशाखा दिशानिर्देशों, अनुच्छेद 15(3) तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम (POSH Act) पर प्रकाश डाला। उन्होंने यौन उत्पीड़न से संबंधित दर्ज किए गए विभिन्न मामलों और उनके कानूनी प्रावधानों पर भी चर्चा की। उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं की समानता और सुरक्षित वातावरण के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने बताया कि कानून के अनुसार, किसी भी संस्था में यदि 10 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, तो वहाँ आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है। यदि कोई शिकायत दर्ज होती है, तो आईसीसी द्‌वारा 90 दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए तथा जांच रिपोर्ट 60 दिनों के भीतर प्रस्तुत की जानी आवश्यक है। उन्होंने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से कानून के अंतर्गत दोषियों के लिए निर्धारित दंडात्मक प्रावधानों के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्रदान की।

उद्घाटन सत्र के अंत में श्री रामकृष्ण वुलासाला, प्रशासनिक अधिकारी (वित्त एवं लेखा) ने सभी गणमान्य व्यक्तियों एवं स्टाफ सदस्यों के प्रति औपचारिक रूप से धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रोमा असनानी द्वारा किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में कुल 120 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

नई नियुक्तियाँ

डॉ. नवनीत कुमार शर्मा, वैज्ञानिक–बी (पुस्तकालय विज्ञान)

डॉ. नवनीत कुमार शर्मा ने 14 फरवरी 2025 को इनफ्लिबनेट केंद्र में वैज्ञानिक–बी (एल.एस.) के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। वर्तमान में वे इनफ्लिबनेट केंद्र की इंडकैट परियोजना से जुड़े हुए हैं। इससे पूर्व, उन्होंने कमला नेहरू कॉलेज (केएनसी), दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेशनल असिस्टेंट, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल), दिल्ली विश्वविद्यालय में अकादमिक परामर्शदाता, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी में वरिष्ठ शोध अध्येता तथा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नई दिल्ली में कनिष्ठ परियोजना अध्येता के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान की हैं।डॉ. शर्मा ने बी.एससी. (भूविज्ञान) तथा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम.एल.आई.एस.) की उपाधि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी से प्राप्त की है। उन्होंने वर्ष 2023 में "अकादमिक पुस्तकालय प्रणाली" विषय पर पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। एम.एल.आई.एस. में बीएचयू से प्रथम

स्थान प्राप्त करने पर उन्हें बीएचयू स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।उन्होंने दिसंबर 2014 में यूजीसी–नेट जेआरएफ परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम रैंक प्राप्त की। उनके कई शोध लेख स्कोपस एवं वेब ऑफ साइंस इंडेक्स्ड जर्नल्स में प्रकाशित हुए हैं। उनकी विशेषज्ञता के प्रमुख क्षेत्रों में ज्ञान संगठन, सूचना साक्षरता, पुस्तकालयों में सुगम्यता, साहित्य खोज, सेवा गुणवत्ता तथा पुस्तकालयों में आईसीटी अनुप्रयोग शामिल हैं। आईसीटी अनुप्रयोग शामिल हैं।

श्री हेमंत कुमार, वैज्ञानिक–बी (पुस्तकालय विज्ञान)

श्री हेमंत कुमार ने 27 मार्च 2025 को इनफ्लिबनेट केंद्र में वैज्ञानिक–बी (एल.एस.) के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व, उन्होंने एस एंड पी ग्लोबल में वरिष्ठ ज्ञान अभियंता (ओन्टोलॉजिस्ट) के रूप में कार्य किया है। उन्होंने भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), बेंगलुरु के दस्तावेजीकरण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (डीआरटीसी) से पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम.एल.आई.एस.) की उपाधि प्राप्त की है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने भौतिक विज्ञान में स्नातकोत्तर की डिग्री भी प्राप्त की है। उनकी विशेषज्ञता एवं शोध रुचि के प्रमुख क्षेत्र ज्ञान संगठन, मेटाडेटा एवं डेटा प्रबंधन, ओन्टोलॉजी, लिंक्ड डेटा, सिमेंटिक वेब प्रौद्योगिकियाँ तथा सूचना तक मुक्त पहुँच (ओपन एक्सेस) हैं।

आगंतुक

संस्थागत आगंतुकों का विवरण			
क्र. सं.	**संस्थान का नाम**	**विद्यार्थियों की संख्या**	**भ्रमण तिथि**
1	श्री महालक्ष्मी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), अहमदाबाद	50 विद्यार्थी एवं 5 संकाय सदस्य	07-01-2025
2	एसएचपीटी स्कूल ऑफ लाइब्रेरी साइंस, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय	23 विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य	18-01-2025
3	डॉ. सुभाष विश्वविद्यालय, जूनागढ़	65 विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य	06-02-2025
4	गोकुल ग्लोबल विश्वविद्यालय, सिद्धपुर, गुजरात	100 विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य	11-02-2025
5	सी. एम. पटेल कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी	23 विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य	10-03-2025
6	श्री जी. के. एवं सी. के. बोसामिया आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, जेतपुर	54 विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य	11-03-2025
7	टुभाई वी. पटेल कॉलेज ऑफ प्योर एंड एप्लाइड साइंसेज़ (सीवीएम विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय)	56 विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य	18-03-2025
8	एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वडाली	110 विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य	28-03-2025

श्री महालक्ष्मी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), अहमदाबाद

एसएचपीटी स्कूल ऑफ लाइब्रेरी साइंस, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई

डॉ. सुभाष विश्वविद्यालय, जूनागढ़

सी. एम. पटेल कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी

श्री जी. के. एवं सी. के. बोसामिया आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, जेतपुर

नटुभाई वी. पटेल कॉलेज ऑफ प्योर एंड एप्लाइड साइंसेज़ (सीवीएम विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय)

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वडाली

कर्मचारी समाचार

प्रो. देविका पी. माडल्ली, निदेशक

• प्रो. देविका पी. माडल्ली, निदेशक, को भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय के वैज्ञानिक सचिव, डॉ. परविंदर मैनी की अध्यक्षता में 8 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में आयोजित विशेषज्ञ परामर्श बैठक में आमंत्रित किया गया। इस बैठक का उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी एवं गणित (STEM) के क्षेत्र में विविधता, समानता, समावेशन एवं सुगम्यता (DEIA) को बढ़ावा देने तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने हेतु एक रूपरेखा तैयार करना था।

• प्रो. देविका पी. माडल्ली ने गुजरात बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर (GBRC) का दौरा किया, जहाँ उन्होंने नवाचार एवं ज्ञान-साझाकरण से संबंधित अपने विचार व्यक्त किए। उनके विचारों से प्रेरित होकर इस विषय पर सार्थक एवं प्रेरणादायक चर्चा हुई।

• प्रो. देविका पी. माडल्ली को 29 जनवरी 2025 को स्वामीनारायण विश्वविद्यालय, कलोल में आयोजित प्रतिष्ठित पैनल चर्चा **"Women Scientist Talk"** में आमंत्रित किए गए।

• प्रो. देविका पी. माडल्ली ने 23 फ़रवरी 2025 को "सभी के लिए ज्ञान की दिशा में: मुक्त अनुसंधान एवं मुक्त विज्ञान (Open Research, Open Science: Towards Knowledge for All)" विषय पर प्रेरणादायी व्याख्यान दिए। यह व्याख्यान 22–23 फ़रवरी 2025 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), गांधीनगर में आयोजित **"इंडिया चैलेंज: इंडिया-सेंट्रिक रिसर्च पर मंथन सत्र** के अंतर्गत **"मूल्यांकन तंत्र: अनुसंधान/शोधकर्ता/संस्थान – गुणवत्तापूर्ण शोध पत्रिकाओं के प्रकाशन हेतु भारत-केंद्रित मंच "** विषय-वस्तु के अंतर्गत आयोजित किया गया।

• प्रो. देविका पी. माडल्ली ने 11–12 मार्च 2025 को मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी **"सामुदायिक सशक्तिकरण: सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति हेतु उपयोगकर्ता-केंद्रित पुस्तकालय सेवाएँ"** में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की।

• प्रो. देविका पी. माडल्ली को 19 मार्च 2025 को एन.आई.पी.ई.आर.-अहमदाबाद के महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित **"अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस"** समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

• प्रो. देविका पी. माडल्ली को 26 से 28 मार्च 2025 तक नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) के समवेत सभागार में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित **"विकसित भारत @2047 के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के परिप्रेक्ष्य में संस्कृत पुस्तकालयों का रूपांतरण"** विषयक त्रिदिवसीय संगोष्ठी में आमंत्रित किया गया। संगोष्ठी के दौरान उन्होंने **"विकसित भारत 2047 के लिए संस्कृत एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के पुस्तकालय"** विषय पर आयोजित कुलपति पैनल चर्चा में अपने विचार व्यक्त किए।

श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (कंप्यूटर विज्ञान)

श्री मनोज कुमार के. को निम्नलिखित व्याख्यान/विशेष व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया:

- 4 मार्च 2025 को संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती द्वारा 3 से 8 मार्च 2025 तक आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) प्रायोजित एक सप्ताहीय "लघु अवधि पाठ्यक्रम – अनुसंधान पद्धति (Short-Term Course – Research Methodology)" के अंतर्गत ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- 21 फ़रवरी 2025 को पश्चिम बंगाल के कल्याणी विश्वविद्यालय, विद्यासागर परिसर के केंद्रीय पुस्तकालय तथा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में "शोधार्थियों के लिए इनफ्लिबनेट की सेवाएँ" विषय पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया।
- 20 फ़रवरी 2025 को कोलकाता स्थित रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के सहयोग से आयोजित "शैक्षणिक सत्यनिष्ठा एवं शोध प्रकाशन" विषयक त्रिदिवसीय कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 19 फ़रवरी 2025 को कोलकाता स्थित नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय (NSOU) में आयोजित शोधगंगा समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) आदान-प्रदान कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने अनुसंधान के क्षेत्र में इनफ्लिबनेट केंद्र की प्रमुख पहलों पर व्याख्यान दिए तथा उपस्थित अतिथियों के साथ विचार-विमर्श किए। साथ ही, उन्होंने कल्याणी स्थित एनएसओयू के क्षेत्रीय परिसर के पुस्तकालय के प्रशिक्षु विद्यार्थियों को भी संबोधित किया।
- "अनुसंधान सहयोग हेतु इनफ्लिबनेट की पहल (INFLIBNET Initiatives for the Research Collaborations)" विषय पर कोलकाता के विद्यासागर कॉलेज फॉर वूमेन तथा आसपास के महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों को हाइब्रिड माध्यम से व्याख्यान दिया।
- 27 जनवरी 2025 को कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग पुस्तकालय द्वारा केरल राज्य के पुस्तकालय कर्मियों/पेशेवरों के लिए आयोजित एक दिवसीय

कार्यशाला "उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान को सहयोग: पुस्तकालयाध्यक्षों की नेतृत्वकारी भूमिका (Supporting Higher Education and Research: Leadership Roles for Librarians)" के दौरान एक सत्र का संचालन किए।

डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (कंप्यूटर विज्ञान)

डॉ. अभिषेक कुमार को निम्नलिखित व्याख्यान/विशेष व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया:

- 11 जनवरी 2025 को आई.सी.ए.आर. के लिए "वेब-आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन सेवा के कार्यान्वयन" विषय पर आई.आर.आई.एन.एस. संबंधी प्रस्तुति दी।
- 25 जनवरी 2025 को सरदार पटेल विश्वविद्यालय के यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा 20 जनवरी से 16 फ़रवरी 2025 तक आयोजित 15वें ऑनलाइन संकाय अभिमुखीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत "शैक्षणिक समुदाय के प्रति इनफ्लिबनेट की भूमिका" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 25 जनवरी 2025 को भारतीय शिक्षक शिक्षा संस्थान में "शैक्षिक अनुसंधान में पुस्तकालय अभिमुखीकरण एवं सूचना साक्षरता: इनफ्लिबनेट, ERIC, JSTOR, Springer एवं अभिलेखागार ब्राउज़िंग" विषय पर एक सत्र प्रस्तुत किया।
- 6 फ़रवरी 2025 को गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (GTU) के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (RDC) के लिए "इनफ्लिबनेट सेवाएँ: शोधचक्र एवं आई.आर.आई.एन.एस. (IRINS)" विषय पर एक ऑनलाइन जागरूकता सत्र आयोजित किया।
- 7 फ़रवरी 2025 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), दिल्ली में आयोजित "भारतीय भाषा पुस्तक के कार्यान्वयन की रणनीतियों पर विचार-विमर्श" बैठक में संसाधन व्यक्ति (Resource Person) के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 14 फ़रवरी 2025 को शिलांग स्थित उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय (NEHU) के यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा आयोजित 18वें संकाय अभिमुखीकरण कार्यक्रम के दौरान भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (IRINS) विषय पर एक सत्र प्रस्तुत किया।
- 19 फ़रवरी 2025 को यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय (NEHU), शिलांग द्वारा आयोजित 18वें संकाय अभिमुखीकरण कार्यक्रम के दौरान शोधचक्र विषय पर एक सत्र प्रस्तुत किया।

श्री हितेश कुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (कंप्यूटर विज्ञान)

श्री हितेश कुमार सोलंकी को निम्नलिखित व्याख्यान/सत्र प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया:

- 6 फ़रवरी 2025 को अहमदाबाद स्थित MICA में आयोजित Jamovi विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति (Resource Person) के रूप में व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया।
- 11 फ़रवरी 2025 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय समुदाय तथा तमिलनाडु के विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित "अनुसंधान डेटा प्रबंधन विषयक वेबिनार में ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया।

श्री धर्मेश शाह, वैज्ञानिक-बी (CS)

श्री धर्मेश शाह को निम्नलिखित व्याख्यान/सत्र प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया:

- 29 मार्च 2025 को गुजरात विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर प्रोफेशनल कोर्सेज़ (CPC) में आयोजित "कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग पर प्रायोगिक कार्यशाला (Hands-On Workshop on Artificial Intelligence and Machine Learning)" में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 7 मार्च 2025 को गुजरात विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इमर्जिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 'आर्य-2025 (ARYA-2025)' की पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 15 फ़रवरी 2025 को गांधीनगर स्थित श्री माणेकलाल एम. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड रिसर्च द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय तकनीकी महोत्सव "ला-कम्पास 2025 (La-Compass 2025)" के दौरान "क्लाउड कंप्यूटिंग" विषय पर एक सत्र प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।
- 15–16 फ़रवरी 2025 को जीएलएस विश्वविद्यालय में आयोजित प्रथम स्प्रिंगर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन – स्मार्ट कंप्यूटिंग एवं अनुप्रयोगों में प्रगति (ICASCA-2025) में श्रोता (Listener Category) के रूप में हाइब्रिड माध्यम से सहभागिता की। इस सम्मेलन का आयोजन फैकल्टी ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी तथा फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।
- 11 फ़रवरी 2025 को अहमदाबाद स्थित ज्ञान कंसोर्टियम ऑफ गुजरात (KCG) में ऑफ़लाइन माध्यम से आयोजित "इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) के लिए सूचना सुरक्षा एवं गोपनीयता संरक्षण रणनीतियाँ" विषयक संकाय विकास कार्यक्रम (FDP) में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया

शोधगंगा के संबंध में

महोदय/महोदया,

आशा है कि आप सकुशल होंगे।

मैं बरहामपुर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर व्यवसाय प्रशासन विभाग में पीएच.डी. का शोधार्थी हूँ। मैं विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूँ कि मुझे शोधगंगा का उपयोगकर्ता आईडी (ShodhGanga ID) प्रदान करने की कृपा करें, ताकि मैं आपके मंच पर उपलब्ध मूल्यवान शोध संसाधनों का उपयोग कर सकूँ तथा नवीनतम शोध गतिविधियों से अद्यतन रह सकूँ।
मेरे शोध कार्य के लिए शोधगंगा शोध प्रबंधों (Theses), लघु शोध प्रबंधों (Dissertations) तथा अन्य विद्वतापूर्ण सामग्री तक पहुँच प्राप्त करने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्रोत है। शोधगंगा उपयोगकर्ता आईडी प्राप्त होने से मैं इन संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकूँगा, जिससे मेरे शोध कार्य की प्रगति में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।
अतः आपसे अनुरोध है कि कृपया मुझे शोधगंगा उपयोगकर्ता आईडी प्रदान करने का कष्ट करें।
सधन्यवाद,

शोधार्थी
स्नातकोत्तर व्यवसाय प्रशासन विभाग
बरहामपुर विश्वविद्यालय

प्रिय शोधगंगा टीम,
शोधगंगा: भारतीय शोध प्रबंध एवं शोध प्रबंधिका भंडार की सेवाओं, कार्यकुशलता तथा त्वरित प्रत्युत्तर क्षमता में सफलतापूर्वक किए गए सुधार के लिए आपको हार्दिक बधाई।
अपनी स्थापना के समय से ही इनफ्लिबनेट केंद्र भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है तथा अपने संसाधनों एवं सेवाओं के निरंतर विस्तार के प्रति सदैव प्रतिबद्ध है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
नमस्कार,
यदि कोई इस लेख तथा मुझे आ रही समस्या के समाधान में मेरी सहायता कर सके, तो यह मेरे लिए अत्यंत सहायक होगा। मैं आपकी वेबसाइट पर उपलब्ध अनेक शोध-पत्रों का अध्ययन करना चाहता/चाहती हूँ, किंतु वर्तमान समस्या के कारण उन्हें पढ़ पाने में असमर्थ हूँ।

172 university libraries now using SOUL

Resource persons and participants posing for a photo during the two-day national conference on Library Science at Dnyanprassarak Mandal's College and Research Centre at Assagoa in Goa. SPECIAL ARRANGEMENT

The Hindu Bureau
HUBBALLI

Director of INFLIBNET (Information and Library Network Centre), Gandhinagar, Gujarat, Devika Madalli has said that SOUL (Software for University Libraries) has now been integrated into an open-source model and is now being used by 172 university libraries.

Inaugurating and delivering the keynote address at the two-day national conference on "Envisioning the Future: AI Tools for Libraries" organised by Dnyanprassarak Mandal's College and Research Centre at Assagoa in Goa recently, Prof. Devika said that the participation of Goan colleges in INFLIBNET's initiatives has been commendable.

SOUL (Software for University Libraries) is a state-of-the-art integrated library management software designed and developed by INFLIBNET Centre, which is an autonomous inter-university centre of the University Grants Commission.

In her keynote address, Prof. Devika deliberated on INFLIBNET's contributions, including initiatives like Shodhganga, INDCAT, ePgPathshala, BharatCat, Shodha-Chakra and Sherni, which, she said, have empowered academic research and women researchers in India.

Prof. Devika also launched "Library Chat-Bot", an advanced virtual assistant designed to enhance user interaction with library services developed by the college, and released the conference volume.

Organising secretary of the conference and librarian Jayaprakash G. Hugar elaborated on the conference theme, tracing the evolution of library science from traditional print media to AI-driven digital repositories.

Principal of the college D.B. Arolkar said that the conference is a significant milestone in the institution's golden jubilee celebrations.

During the technical sessions that followed resource persons P.G. Tadasad, Ramesh R. Naik, Sunil M.V. and T.S. Kumbar presented papers on various topics.

The conference concluded with a set of resolutions emphasizing four key areas: the pros and cons of AI applications in libraries, education and training requirements for AI integration, innovative practices in AI tool development and strategies to address potential employment concerns.